



मित्र समाचार

अंक 14 | प्रकाशन 8 | अगस्त 2024

“यहाँ एक लड़का है जिसके पास जौ की पाँच रोटी और दो मछलियाँ हैं” परन्तु इतने लोगों के लिए वे क्या हैं?” यूहन्ना 6:9

परमेश्वर मुझे भी इस्तेमाल करता है!



मैं परमेश्वर द्वारा उपयोग किया जाने वाला
छोटा लड़का कौन हूँ?

मैं क्या हूँ

2 शमूएल 7:18

प्रथम पंक्ति...



**अपना थोड़ा
परमेश्वर के पास
लेकर आएँ और देखें कि
वह क्या करता है।**

वह एक सैनिक था जिसने खराब स्वास्थ्य के कारण सेना छोड़ दी थी। शिक्षा की कमी, शराब की लत और गरीबी का सामना करते हुए उसने न केवल अपनी बहन को गलत कामों में शामिल होने के लिए दलाल के रूप में काम किया, बल्कि चोरी के लिए कई बार जेल भी गए। एक दिन, शायद एक चर्च में मुफ्त भोजन के विज्ञापन से प्रभावित होकर वह जीविका की तलाश में प्रवेश किया। यहीं पर परमेश्वर ने रेह. हैमंड के संदेश के माध्यम से हस्तक्षेप किया। उस दिन, उसने अपना जीवन यीशु को समर्पित कर दिया। एक समय पर, जॉन जी. रेडली, एक पादरी यशायाह 57:15 से प्रचार कर रहा था जिससे उसे “अनंतकाल” की अवधारणा स्पष्ट हो गई। शब्द ‘अनंत काल’ उसके भीतर गहराई से गूंज उठा, और वह इसे दूसरों के साथ साझा करने के लिए बाध्य हो गया। अनपढ़ होने के बावजूद, उसने शब्द ‘अनंतकाल’ को चित्रित करना सीखा और इसे दुकान के दरवाजे, फुटपाथ और पार्क पर तब चित्रित करना शुरू किया जब कोई आसपास नहीं होते थे। शब्द की साइट ने इसे देखने वालों के बीच अनंतकाल के बारे में भय, बातचीत और चिंतन को जन्म दिया, जिसने कई लोगों को इसके हस्ताक्षर के लिए तैयार किया। उन्होंने पूरे ऑस्ट्रेलिया में शब्द ‘अनंतकाल’ को इस हद तक चित्रित किया कि लगभग हर कोई इससे परिचित हो गया। यह संदेश पूरे देश में फैल गया, इस सत्य की ओर इशारा करते हुए कि यीशु मसीह के माध्यम से अनंत काल तक पहुँचा जा सकता है। 35 वर्ष की आयु तक, उन्होंने इस शब्द को पाँच लाख से अधिक बार चित्रित किया था, बाद में जागरूकता बढ़ाने के लिए परमेश्वर की आज्ञा माना जैसे वाक्यांश जोड़े। आर्थर मैल्कम स्टेस के सम्मान में, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में ओलंपिक 2000 में ‘अनंत काल’ शब्द को प्रकाशित किया गया था, इसके अतिरिक्त, उनकी लिखावट का एक नमूना और उनकी मूर्ति स्थापित की गई थी, और ऑस्ट्रेलिया के लोग उन्हें कृतज्ञतापूर्वक याद करते हैं।

परमेश्वर ने उनकी कई कमियों के बावजूद आर्थर और उसकी पेंटिंग की छोटी प्रतिभा का इस्तेमाल कई लोगों को आशीर्वाद देने के लिए किया। शास्त्रों में, हम देखते हैं कि थोड़े से भोजन ने हजारों लोगों को आशीर्वाद दिया (रोटियों और मछलियों वाला छोटा लड़का), थोड़ी ताकत (गिदोन), थोड़ा सा मैदा (सारफत की विधवा), थोड़ा सा हिम्मत (दारुद), और थोड़ा समर्पण (शमूएल), सभी ने असंभव चीजें हासिल कीं। आज, हमारे पास जो कुछ भी है— हमारा समय, प्रतिभा और खजाना— परमेश्वर इसका बहुतायत से उपयोग कर सकता है यदि हम इसे उनके सामने समर्पित कर दें। हममें से कई लोग अपनी कथित कमियों के कारण हिचकिचाते हैं, परन्तु जब हम खुद को उनके हाथों में सौंप देते हैं, तो वह जो परिपूर्ण है, हमारा भरपूर उपयोग करेगा। आईए हम स्वयं को और जो कुछ भी हमारे पास है उसे परमेश्वर को अर्पित करें, यह भरोसा करते हुए कि वह इसका उपयोग अपनी महिमा के लिए करेगा।

“और मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है तुम्हारी हर एक घटी को पूरी करेगा।”

फिलिप्पियों 4:19

आपको परमेश्वर को यह याद दिलाने की जरूरत नहीं है कि वह आपकी जरूरतें पूरी करे, आप स्वयं को यह याद दिलाना होगा कि परमेश्वर आपका पोषणकर्ता है।

“...क्योंकि तुम्हारा पिता तुम्हारे माँगने से पहले ही जानता है कि तुम्हारी क्या क्या आवश्यकताएँ हैं।” *मत्ती 6:8*

यदि आप दूसरों की जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान देंगे, तो परमेश्वर हमेशा सुनिश्चित करेगा कि आपकी जरूरतें पूरी हों।

“परमेश्वर अनुग्रह सहित आपकी समस्याओं का प्रतियुत्तर देता और हमारी जरूरतों को पूरा करता है— हमारी उम्मीद के मुताबिक हमेशा नहीं, परन्तु हमेशा हमारी भलाई के लिए।”
— *जॉन पाइपर।*

मित्र समाचार

हमारा दर्शन :

यीशु मसीह के सुसमाचार के साथ अपहुंच भारतीयों तक पहुँचना।

हमारा मिशन :

देश में यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करना, परिवर्तित समुदाय के निर्माण के लिए सेवा करना और उनकी बड़ी भागीदारी के लिए भारतीय कलीसियाओं के साथ दर्शन को साक्षा करना।

एफ.एम.पी.बी. देश भर में कलीसियाओं की स्थापना करने के लिए कलीसिया के अंग के रूप में कार्य करती है।

एफ.एम.पी.बी. विभिन्न जन समूहों के बीच में संतुष्टि सुसमाचार का प्रचार करती है। एफ.एम.पी.बी. कलीसियाओं, संस्थानों, परिवारों और व्यक्तियों को इसके काम में समर्थन देने और प्रार्थना करने हेतु आमंत्रित करती है।

टिप्पणी, सिफारिश
और अनुरोध के लिए
feedbackfmpb@fmpb.org



मित्र समाचार

एफ.एम.पी.बी. का मासिक पत्रिका

प्रकाशक एवं संपादक

एस. जॉन बर्लिन

अंशदान	भारत	विदेश
वार्षिक	100 रुपये	600 रुपये
आजीवन	600 रुपये	5,000 रुपये

H.Q: 29, High School Road, Ambattur, Chennai - 600 053

Tel: +91-44-2657 0404 Fax: 2657 3353

Cell: 9444394342

E-mail: info@fmpb.org

Web site: www.fmpb.co.in

Layout and Preparation:
Communication Dept., fmpb



महासचिव की ओर से...

अपुहँचों तक सुसामचार पहुँचाने के मिशन में शामिल प्रिय सहभागियों, हमारा प्यारा देश इस महीने की 15 तारीख को 78वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। 15 अगस्त 1947 की मध्य रात्रि के पहले सेकंड में हमें ब्रिटिश शासन से आजादी मिली थी। हमारे देश की स्वतंत्रता के लिए अनगिनत लोगों ने अपने जीवन, धन, पढ़ाई, आराम और कल्याण का बलिदान दिया और अब वे इस देश के नागरिकों द्वारा याद किए जाने के हकदार हैं।

हमने एक राष्ट्र के रूप में अपनी राजनीतिक स्वतंत्रता हासिल कर ली है, परन्तु हमारे सभी लोगों की आध्यात्मिक स्वतंत्रता के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता है। 2कुरिन्थियों 3:17 कहता है 'प्रभु आत्मा है, और जहाँ प्रभु की आत्मा है, वहाँ स्वतंत्रता है।' आध्यात्मिक स्वतंत्रता लोगों के जीवन में प्रभु को आने की अनुमति देकर हासिल की जानी जाती है। परमेश्वर ने हमें अपने संगी नागरिकों को प्रभु से परिचित कराने के लिए बुलाया है। 2कुरिन्थियों की पत्रि तीसरा अध्याय इस बात पर जोर देता है कि हमारी योग्यता परमेश्वर की ओर से आती है (पद 5)। आईए हम अपने लोगों के आध्यात्मिक उद्धार के लिए एक बार फिर अपनी योग्यता के माध्यम से नहीं बल्कि मसीह की योग्यता के माध्यम से अपना जीवन को समर्पित करें।

विभागीय सचिवों की बैठक

विभागीय सचिवों की 11वीं 2 दिवसीय उपवास प्रार्थना और दो दिवसीय योजना सभा 18 से 21 जून तक आयोजित की गई। उपवास के साथ प्रार्थना में परमेश्वर की उपस्थिति में दो दिन बिताते

मित्र समाचार | 4 | अगस्त 2024

से इस राष्ट्र तक पहुँचने का हमारा दर्शन मजबूत हुई और कई अनिश्चितताओं के बीच बहुतायत की उम्मीद जगी। प्रभु की उपस्थिति ने हमें आशा दी है कि आनेवाले समय में राष्ट्र तक पहुँचने में FMPB गहराई से आगे बढ़ेगा।

आई.बी.टी. के साथ बैठक

भारत बाइबल अनुवादकों के अगुवों ने हमारे देश में अनुवाद सेवा को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार करने हेतु चेन्नई में एक सभा का आयोजन किया था।

सी.आई.एम. के साथ बैठक

क्रिश्चियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के प्रशिक्षण विभाग के प्रभारी ने एफ.एम.पी.बी. में अगुवों को प्रशिक्षित करने में सहयोग की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एक सभा आयोजित की।

साक्षात्कार

जून में आयोजित साक्षात्कार में आठ उम्मीदवारों का चयन किया गया। स्वस्थ जाँच के बाद, उन लोगों के लिए वरिष्ठ मिशनरियों की मदद से एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। चयनित उम्मीदवारों को हमारे विजन और मित्र सुसामचार प्रार्थना दल के इतिहास को प्रत्यक्ष रूप से समझने के लिए पेरियामलाई भी ले जाया गया था।

सेयनमविलई कलीसियाई सभा

कन्याकुमारी जिले के सेयनमविलई में मेरा मातृ कलीसिया है। पादरी और कलीसिया की समिति ने मुझे रविवार की सेवा में बोलने के लिए आमंत्रित किया था। इस चर्च के लोग मेरे शुरुआती मसीही जीवन में शामिल थे। उनमें से कुछ लोग अब नहीं रहे। मैंने उन सभी को स्मरण किया और उनके योगदान के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दिया। मैंने रविवार की सेवा और पुरुषों की संगति में परमेश्वर का वचन सुनाया।

उत्कल क्षेत्र का (ओडिशा) भ्रमण

क्षेत्र के अगुवों के साथ, मैंने ओडिशा में परमेश्वर की

सेवा करने वाले मिशनरी परिवारों का दौरा किया और मिशनरी परिवारों के साथ बातचीत की जिससे मुझे सेवकाई से संबंधित चुनौतियों और अवसरों को समझने में मदद मिली। नई समझ के आधार पर, हमने भविष्य की सेवकाई के निमित्त कुछ पद्धतिगत बदलावों पर चर्चा की। कृपया सभी मिशनरियों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करें।

संताल पश्चिम बंगाल क्षेत्र का दौरा

हमने पश्चिम बंगाल में संथाल लोगों के मध्य में सेवा कर रहे मिशनरियों से मुलाकात की। पश्चिम बंगाल में संथाल लोगों के बीच सुसमाचार के प्रति ग्रहणशीलता झारखंड के संथाल लोगों से बिल्कुल अलग है। हम आपकी प्रार्थनाओं का अनुरोध करते हैं ताकि पश्चिम बंगाल में सेवकाई और भी बड़े पैमाने पर आगे बढ़े।

ओ.टी.सी बोर्ड की बैठक – दुमका,

झारखंड

आउटरीच ट्रेनिंग सेंटर, कैराबानी की बोर्ड मीटिंग 10 जुलाई 2024 को हुई। नॉर्दन इवेंजेलिकल ल्थेरन चर्च के मॉडरेटर और बिशप ने चर्च के अंगुवों के साथ इस सभा में हिस्सा लिया। इस सभा में हमने कलीसिया और एफ.एम.पी.बी. के बीच आगे की संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की गई।

अंतर-सांस्कृतिक संचार

प्रशिक्षण

गुजरात के फोकड़ी में पश्चिमी क्षेत्रीय मिशनरियों के लिए क्रॉस कल्चरल कम्युनिकेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में 44 मिशनरियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण से उन्हें सेवकाई को एक नए दृष्टिकोण से देखने में मदद मिली और अब तक के अपने सेवकाई का मूल्यांकन करने का अवसर मिला।

मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि मेरे अगस्त माह के कार्यक्रम के लिए प्रार्थना करें

राष्ट्रीय मिशन संस्थान प्रशिक्षण

परमेश्वर की इच्छा से मैं जुलाई के अंत और अगस्त के आरम्भ में कुछ दिनों के लिए NIM में रहूँगा। इस समय में मुझे उन युवा मिशनरियों से वार्तालाप करने में मदद मिलेगी जो अपना प्रशिक्षण पूरा कर

रहे हैं और मिशन क्षेत्रों में जाने वाले हैं। अगस्त की शुरुआत में मैदान में उतरेंगे। कृपया उन्हें अपनी प्रार्थनाओं में स्मरण करें।

कैलेंडर समिति

2025 कैलेंडर की तैयारी शुरू हो गई है। कृपया परमेश्वर प्रदत्त मूल विषय और कैलेंडर की रूपरेखा की तैयारी के लिए प्रार्थना करें। साथ ही, हमारे कैलेंडर की बेहतरीन छपाई के लिए भी प्रार्थना करें क्योंकि हम इसे कई भाषाओं में तैयार कर रहे हैं।

मदुरै में सी.ई.ओ. की बैठक

मदुरै में मिशन संगठनों के प्रमुखों की चार दिवसीय बैठक आयोजित की जा रही है। कृपया प्रार्थना करें कि यह बैठक इस राष्ट्र तक पहुँचने के लिए फलदायी साबित हो।

कानपुर क्षेत्र (उत्तर प्रदेश) का भ्रमण

परमेश्वर की इच्छा से मैं और कानपुर क्षेत्र के अगुवे इस क्षेत्रों में कार्य कर रहे मिशनरियों से मिलने जाएँगे। प्रार्थना करें कि हमारा भ्रमण करना हमारे मिशनरियों को प्रोत्साहित करे जो कठिन परिस्थितियों में सेवा का कार्य रहे हैं।

प्रबंधन समिति

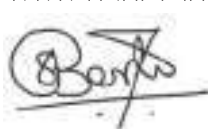
24 और 25 अगस्त को प्रबंधन समिति की बैठक निर्धारित की गई है।

एफ.एम.पी.बी. के साथ प्रार्थना और मिशन के लिए समर्थन में आपकी शानदार भागीदारी के लिए हम सबों का धन्यवाद करते हैं। हम आप सबों को अपनी प्रार्थनाओं में स्मरण करते हैं। आपकी प्रार्थनाएँ हमें वंचित भारतीयों तक पहुँचने में मदद करेंगी।

परमेश्वर आप सबों के साथ रहे।

आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

परमेश्वर की सेवा में आपका साथी सेवक



रेव. जॉन बर्लिन एस.

प्रभु जो जरूरतें पूरी करता है



कई स्थितियों में, हमारे जीवन में हम केवल अपनी कमियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इन अपर्याप्तताओं पर ध्यान केंद्रित करने से, हमारे पास मौजूद आशीर्वादों को अनदेखा करना स्वाभाविक है। मसीहियों के रूप में, हमें याद रखना चाहिए कि सिद्ध परमेश्वर हमारे साथ है। पवित्र शास्त्र अक्सर यह दर्शाता है कि कैसे परमेश्वर हमारी सभी जरूरतों को पूरा करता है।

हमारी आवश्यकताओं में उपयुक्त

“यहाँ एक लड़का है जिसके पास जौ की पाँच छोटी रोटी और दो मछलियाँ हैं, परन्तु इतने लोगों के लिए वे क्या हैं?” (यूहन्ना 6:9)। शिष्यों ने केवल थोड़ी मात्रा में भोजन देखा। यूहन्ना 6:1-13 में वर्णित पाँच रोटियों और दो मछलियों से 5,000 लोगों को खिलाने का चमत्कार, सभी चार सुसमाचारों में वर्णित है। इसमें सुझाव दिया गया है कि लगभग 20,000 लोगों को भोजन कराया गया होगा। यीशु मसीह ने पिता की ओर देखा, जो जरूरत के समय भरपूर मात्रा में प्रदान करता है।

हम जिस परमेश्वर की आराधना करते हैं, उसने सम्पूर्ण जगत की सृष्टि को शून्य में से की है। वह कल, आज और हमेशा एक जैसा है। वह अपनी सृष्टि की सभी जरूरतों को पूरा करता है। क्या पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ एक परिवार के खाने के लिए पर्याप्त हैं? फिर भी, जब आशीर्वाद दिया गया, तो पाँच हजार लोगों ने अपनी तृप्ति के साथ

खाया, और बारह टोकरीयाँ बच गईं। जो वस्तु इंसान की दृष्टि में छोटी लगती है, वह परमेश्वर के हाथों में बहुत होती है। हमें परमेश्वर की शक्ति और प्रेम को कभी कम नहीं आँकना चाहिए।

आवश्यकता के समय में हमारी आशा

यह चमत्कार हमारी व्यक्तिगत जरूरतों के लिए परमेश्वर की चिंता और उस पर हमारे विश्वास की जरूरत को दर्शाता है। परमेश्वर न केवल हमारी शारीरिक जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि हमारी भावनात्मक और आध्यात्मिक जरूरतों को भी पूरा करता है। क्योंकि उसका नाम यहोवा यिरे है, इसलिए हमें उस पर भरोसा करना चाहिए कि वह हमारी जरूरतों को पूरा करेगा। इस चमत्कार ने लोगों और शिष्यों को आश्चर्य किया कि परमेश्वर नियंत्रण में है और हमारी जरूरतों को पूरा करेगा। यूहन्ना 6:9 के अनुसार, हमारा जीवन यीशु मसीह के हाथों में है। हमारा परमेश्वर हमारी उपयोग कल्पना से कहीं अधिक कर सकता है। जब हम परमेश्वर को अपना थोड़ा सा हिस्सा अर्पित करते हैं और विश्वास के साथ प्रतीक्षा करते हैं, तो वह उसे बहुतायत से बढ़ाएगा, जिससे उसका नाम महिमावान होगा।

आवश्यकता में हमारी अधीनता

मार्क 6:38 में, जब यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि वे देखें कि कितना भोजन उपलब्ध है, तो अन्ध्रियास ने एक लड़के को यीशु के पास ले आया। जब तक

यीशु ने अपने शिष्यों से लोगों को खिलाने के लिए नहीं कहा, तब तक कोई भी उस लड़के के बारे में नहीं जानता था। जब यीशु ने लड़के द्वारा लाए गए भोजन को आशीर्वाद दिया और उसे वितरित किया, तो भीड़ भर गई। जब हम अपने जीवन, कौशल, प्रतिभा, शिक्षा, सामग्री और स्वयं को परमेश्वर के को सौंप देते हैं, तो वह हमें पृथ्वी पर अपना राज्य स्थापित करने के लिए इस्तेमाल कर सकता है।

आवश्यकताओं के बीच में चमत्कार

मूसा ने कहा, “जिन लोगों के बीच मैं हूँ उन में से छः लाख तो प्यादे ही हैं; और तू ने कहा है कि मैं उन्हें इतना मांस दूँगा कि वे महीने भी उसे खाते रहेंगे क्या वे सब भेड़ बकरी, गाय बैल उनके लिए मारे जाएँ के उनको मांस मिले, या क्या समुद्र की सब मछलियाँ उनके लिए इकट्ठी की जाएँ कि उनको मांस मिले?” प्रभु ने मूसा से कहा, “क्या यहोवा का हाथ छोटा हो गया है? अब तू देखेगा कि कि मेरा वचन जो मैंने तुमसे कहा है वह पूरा होता है कि नहीं (गिनती 11:21-23)।” प्रभु ने अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार लोगों को खिलाया। जैसे परमेश्वर ने पुराने नियम में कई चमत्कार किए, वैसे ही नए नियम में भी यीशु मसीह ने कई चमत्कार किए। जब विवाह में दाखरस अपर्याप्त था, फिर भी यीशु ने पहले परोसे गए दाखरस से कहीं बेहतर दाखरस उपलब्ध कराया (यूहन्ना 2:1-11)।

आवश्यकताओं के बीच में प्रार्थना

1999 में, छत्तीसगढ़ के रानीपुर में सेवा करते समय, निर्मलपाड़ा नामक एक विश्वासी ने हमारे परिवार को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। सेवा के बाद, प्रचारकों और कलीसियाके अगुवों सहित दस लोग हमारे साथ शामिल हुए। परिवार को इतनी बड़ी भीड़ की उम्मीद नहीं थी। पत्नी ने पिछले सप्ताह की कलीसियाई सेवा में वर्णित 5,000 लोगों को भोजन कराने के यीशु के चमत्कार को याद करते हुए प्रार्थना की। उसने विश्वास करते हुए कि प्रार्थना की कि जो कुछ भी उनके पास है उससे परमेश्वर सभी को तृप्त करेगा। परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना का उत्तर दिया, और

सभी ने अपनी संतुष्टि भर खाया, उसके बाद भी बचा हुआ खाना था। उसने अगले रविवार की सेवा में इस चमत्कार को खुशी से साझा किया।

परमेश्वर ने हमें शारीरिक और आध्यात्मिक पोषण, पापों की क्षमा और अनंत उद्धार का आशीर्वाद दिया है। हमें अपने पूरे हृदय से उस पर भरोसा करना चाहिए। उस लड़के की तरह जिसने अपनी रोटियाँ और मछलियाँ दीं और शिष्यों ने यीशु की आज्ञा मानी, हमें खुद को परमेश्वर के अधीन करना चाहिए और उनके वचन के अनुसार जीना चाहिए। अक्सर, हम प्रभु से तत्काल समाधान की अपेक्षा करते हैं। हमें भरोसा रखना चाहिए कि परमेश्वर अपने समय में सभी चीजों को सुंदर बना देगा। “जवान सियों को तो घटी होती और वे भूखे भी रह जाते हैं, परन्तु यहोवा के खोजियों को किसी वस्तु की घटी न होगी (भजन 34:10)।”

कमियों के समय में हमारी भूमिका

आज, हमारे आस-पास बहुत से लोग शारीरिक और आध्यात्मिक भूख से पीड़ित हैं। जबकि बहुत से लोग शारीरिक भूख को दूर करने के लिए तैयार हैं, बहुत कम लोग आध्यात्मिक भूख को संतुष्ट कर सकते हैं। हमें ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता है जो पाप में खोए हुए लोगों को उद्धार की ओर ले जाएँ और उन्हें परमेश्वर के क्रोध से बचाएँ। शिष्यों की तरह जिन्होंने लोगों की शारीरिक भूख को पहचाना और उन्हें खिलाने की कोशिश की, हमें भी परमेश्वर की नजर से अपने आस-पास के लोगों की जरूरतों को देखने की जरूरत है। परमेश्वर हमें जरूरतमंद लोगों के साथ जीवन के रचयिता यीशु मसीह को साझा करने के लिए इस्तेमाल करे। आईए हम अपने लिए जीने के बजाय दूसरों के लिए जीने का प्रयास करें। प्रभु हमारी कमियों में भी आशीषों को देखने में हमारी मदद करें। “मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है तुम्हारी हर घटी को पूरी करेगा।” (फिलिपियों 4:19)।

श्रीमती विजयारानी अलविन,

मोबिलईजेशन—कन्याकुमारी

गेहूँ का गिरा हुआ दाना!



श्री एम. फ्रांसिस

श्री एम. फ्रांसिस का जन्म श्री मरियादास और श्रीमती अरोक्या मैरी के परिवार में 9/9/1937 को चेन्नई स्थित पुरसैवाकम, में हुआ था। उनके दो भाई और एक बहन हैं। उनका जन्म एक कैथोलिक परिवार में हुआ था और 25 वर्ष की आयु तक उनका पालन-पोषण कैथोलिक रीति-रिवाज के अनुसार ही हुआ। 9.9.1961 को उन्होंने यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया और ऐसी स्थिति में उद्धार का आश्वासन प्राप्त किया जहाँ वे कई पापों के गुलाम थे और शांतिहीन जीवन बिता रहे थे। इसके बाद, 1967 में, जब वे 2 महीने तक बेरोजगार और थके हुए थे, तब परमेश्वर ने लूका 17:8 के माध्यम से उनसे बात की और उन्हें अपनी सेवकाई के लिए बुलाया। सन् 1970 में जब उन्होंने अपने सेवकाई के बुलाहट की पुष्टि करने के लिए प्रभु से प्रार्थना की, तो प्रभु ने यशायाह 33:17 का प्रतिज्ञा करके सेवकाई के बुलाहट की पुष्टि की।

इसके बाद, श्री एम. फ्रांसिस ने सुसमाचार का प्रचार करने के लिए उत्तर भारत जाने का संकल्प लिया और 9.2.1970 को पूर्णकालिकमिशनरी के रूप में मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल में शामिल हो गए। 18 जनवरी 1971 को उन्होंने बहन ओलिव से विवाह किया और उत्तर भारत और दक्षिण भारत में सेवा की। परमेश्वर ने उन्हें एक परिवार के रूप में सीतामणि, मधुबनी, नागपुर, बागरवा, तलजरी, बड़ा गाँव, गोंडा, हिसार और महाराष्ट्र और तमिलनाडु मोबिलाईजेशन सेवकाई में इस्तेमाल किया। उन्होंने कुछ व्यक्तिगत कारणों से अपने दैवीय सेवा को जारी रखने में असमर्थ रहा और सन् 1998 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली। उन्होंने अपने अंतिम दिन अपनी बेटी के साथ बिताया जो महाराष्ट्र में प्रभु की सेवा कर रही है। अन्नन ने 1.7.2024 को, महमा में प्रवेश किया उनके मृत शरीर का अंतिम संस्कार चंद्रपुर में किया गया। आईए हम उन की पत्नी और तीन बच्चे, जोशुआ उमरंड, मैरी और मार्था के सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें, जिन्हें वे पीछे छोड़ गए।

संचार विभाग

सर्वव्यापी अनुग्रह!

“हमारे स्थानीय सुसामाचार प्रचारक सुरेश भाई, मणिलाल भाई के परिवार और हमारे मिशनरी विग्नेश के साथ, गुजरात राज्य के आहवा क्षेत्र में अजंकुंड गाँव में जागृति सभा का समापन करने के लिए दोपहिया वाहनों पर यात्रा कर रहे थे। अचानक, उनके सामने एक बाघ आ गया, परन्तु चमत्कारिक रूप से, बाघ उन पर हमला किए बिना जंगल में चला गया। परमेश्वर ने अपने सेवकों की चमत्कारिक रूप से रक्षा की है।”

परन्तु जिस नगर में
मैंने तुमको बंदी कराके भेज दिया है,
उसके कुशल का यत्न किया करो, और

उसके हित के लिए यहोवा से प्रार्थना किया करो,

क्योंकि उसके कुशल से
तुम भी कुशल के साथ रहोगे।’

... यिर्मयाह 29:7 ...

स्वतंत्रता दिवस
की शुभकामनाएं

FINANCE DEPARTMENT

**FMPB Bank Account details for sending
the offering through online transaction**



A/c Name: **FRIENDS MISSIONARY PRAYER BAND**

ICICI - A/c No. 602701216912 - IFS Code ICIC0006027 - Branch: Anna Nagar

ICICI Bank UPI ID: fmpb01@icici

SBI - A/c No. 10402752621 - IFS Code SBIN0000987 - Branch: Ambattur

Indian Bank - A/c No. 406157474 - IFS Code IDIB000A599 - Branch: Vijayalakshmiapuram, Ambattur

Kindly contact us: **fnance@fmpb.org**, **WhatsApp: 7904648270**



BARCODE
facilities to send y our offertory

Kindly avail the **BARCODE**
facility also
to send your offertory
to the ministries of FMPB.

मिशनरी जीवनी

परमेश्वर ने अपनी बुद्धि से धरती पर अपना कार्य पूरा करने के लिए कुछ लोगों को अपने सामने प्रेरक के रूप में बुलाया है। वे केवल परमेश्वर के राज्य के विस्तार के लिए जीते हैं। बहन एस्तेर मंगई प्रभु के लिए ऐसी ही एक प्रेरक थीं, जिन्हें परमेश्वर ने कलीसियाओं को स्थापित करने के लिए क्रॉस-कल्चरल मिशनरी के रूप में चुना था। वह एक तमिल ब्राह्मण परिवार से थीं। उनका जन्म 31 जनवरी 1948 को हुआ था। उनके चार भाई और दो बहनें थीं। चूँकि परिवार बड़ा था, इसलिए वे अक्सर खुद को आर्थिक तंगी में पाते थे। सुश्री एस्तेर मंगई इस परिवार में पली-बढ़ी थीं, जिन्होंने कभी भी मसीह को व्यक्तिगत रूप से नहीं जाना था।

सुश्री एस्तेर मंगई ने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती थी, परन्तु परिवार की आर्थिक स्थिति ने इन्हें अनुमति नहीं दी। इसी बीच उनकी एक बहन बहुत बीमार पड़ गई। परिवार ने कई अस्पतालों में इलाज करवाया और कई डॉक्टरों से मिले, परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ। वे उसे सभी मंदिरों में ले गए परन्तु उनके कोई भी प्रयास सफल नहीं हुआ। इस विकट परिस्थिति ने पूरे परिवार को प्रभावित और झकझोर कर रख दिया।

सुश्री एस्तेर मंगई की एक स्कूली सहेली ने एक दिन उनको चर्च ले गई। वह पहली बार था जब उसने सुसमाचार सुना। वह पादरी और मसीही कार्यकर्ताओं के उपदेशों को समझ नहीं पाई। वह अपनी सहेली के परमेश्वर से प्रार्थना करना चाहती थी। उसका हृदय अपनी बीमार बहन के ठीक होने और कुछ समय पहले खोई हुई उसकी चीजों के लिए धड़क रहा था। वह पादरी से मिली और उसने सरल तरीके से सुसमाचार सुनाया और उसे यीशु से प्रार्थना करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। परमेश्वर ने उसकी प्रार्थनाओं का उत्तर दिया और उसकी बहन ने अपना स्वास्थ्य पुनः प्राप्त कर लिया। उसके बाद उसकी बहन ने भी विवाह कर लिया। एस्तेर को उसकी सारी चीजें वापस मिल



सुश्री एस्तेर मंगई
(1948-1998)

गई, जो कुछ समय पहले खो गई थीं।

इन दो घटनाओं ने एस्तेर के हृदय को छू लिया और वह प्रभु को और अधिक जानने के लिए तरसने लगी। इसलिए, उसने बाइबल की एक प्रति ली और ध्यानपूर्वक पढ़ना आरम्भ कर दिया। जैसे-जैसे वह सत्य को समझती गई, उसने मसीह को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया और वर्ष 1974 में बपतिस्मा लिया।

उद्धार एवं विरोध:

जब परिवार के लोगों को पता चला कि एस्तेर मंगई को मसीही धर्म में नई दिलचस्पी है और वह चर्च जाने लगी है, तो वे क्रोध से भर गए और उसे नया धर्म छोड़ने के लिए प्रताड़ित किया। उन्होंने बाइबिल भी फाड़ डाली और उसे जला दिया। परन्तु, एस्तेर मंगई अपने विश्वास में दृढ़ रही और प्रभु यीशु की खोज में लगी रही और अपने परिवार की जानकारी के बिना चर्च जाती रही। उसे तरह-तरह की धमकियाँ देने के बाद, उन्होंने उसे हमेशा के लिए घर छोड़ने के लिए कहा। इस मुश्किल समय में समय के साथ, परमेश्वर ने एस्तेर मंगई के लिए एक द्वार खोल दिया; उसे एक छोटे से स्कूल में शिक्षिका के रूप में नौकरी मिल गई। इसलिए, वह अपना घर छोड़कर अलग घर में रहने लगी। एक शिक्षिका के रूप में अपने नए करियर के इन छह महीनों के दौरान, वह प्रभु में पली-बढ़ी और उसने परमेश्वर के वचन को पढ़ना

और उस पर मनन करना आरम्भ कर दिया (1948-1998)। परमेश्वर के वचन ने उसे अवर्णनीय आनंद दिया और साथ ही उसे प्रभु यीशु के लिए गवाही देने वाले जीवन की ओर निर्देशित किया।

सेवकाई के लिए परमेश्वर की बुलाहट:

अपने परिवार से दूर बिताए गए छह महीनों ने उसे जीवित परमेश्वर के साथ संबंध मजबूत करने में भी मदद की। परमेश्वर ने उसे अपनी सेवकाई के लिए बुलाया। उसने परमेश्वर के प्रेम का अनुभव किया, जिसने उसके पापों को क्षमा कर दिया और उसे परमेश्वर की संतान बना दिया जिसने स्वर्ग और पृथ्वी का निर्माण किया था। उसने सभी को यह शुभ समाचार सुनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दी। वह पूर्ण-कालिक आधार पर प्रभु की सेवा करने का अवसर खोज रही थी। वह जानती थी कि महिलाओं के लिए भारत में सेवकाई करना बहुत कठिन था। OM इंडियायुवा पुरुषों और महिलाओं का उपयोग करके तमिलनाडु में सेवकाई कर रही थी। इसने एस्तेर मंगई को OM महिला टीम के माध्यम से सेवकाई करने का अवसर दिया। इसलिए, उसने परमेश्वर की महिमा के लिए सेवकाई करना आरम्भ कर दी।

कलीसिया रोपण सेवा :

सुश्री एस्तेर मंगई को मिशन के प्रति जुनून था, खास तौर पर उन लोगों को सुसमाचार सुनाना जिन्होंने कभी सुसमाचार नहीं सुना था। इस बीच, उन्होंने मित्र सुसामाचार प्रार्थना दल के बारे में सुनी। वह क्रॉस-कल्चरल मिनिस्ट्री करना बहुत चाहती थी। इसलिए, वह 1 जुलाई 1982 को FMPB में शामिल हो गईं। फिर उन्होंने एक साल की मिशनरी प्रशिक्षण ली। प्रशिक्षण अवधि पूरा करने के बाद, उन्हें गुजरात राज्य भेजा गया। परमेश्वर ने उनके लिए गुजरात के वासावे लोगों के बीच सेवकाई का कार्य करने का द्वार खोल दिया। वह परमेश्वर की आज्ञा का पालन करने के लिए आनन्द के साथ अन्य मिशनरी बहनों के साथ शामिल हो गईं।

1983 के बाद से, सुश्री एस्तेर मंगई ने वासावे लोगों की बोली सीखना आरम्भ कर दी और बच्चों और महिलाओं के बीच काम करना शुरू कर दिया। वासावे महिलाएँ अशिक्षित और सामाजिक रूप से बहुत पिछड़ी हुई थीं। साथ ही, दूसरों की तुलना में वे आर्थिक रूप से बहुत गरीब थीं। वे खेतिहार मजदूर और मवेशी पालने के लिए लंबे समय तक मेहनत करती थीं।

भले ही अच्छे घर, पानी, शौचालय, बिजली, सड़क और परिवहन जैसी बुनियादी सुविधाएँ नहीं थीं, फिर भी हमारी महिला मिशनरियों ने बिना किसी शिकायत के काम किया। चूँकि वे एक वन क्षेत्र के समीप रहते थे, इसलिए जंगली जानवरों, विशेष रूप से बाघों के रूप में दूसरा खतरा उनके सामने था। उन्होंने इन वासावे लोगों के उत्थान के लिए अपने जीवन को सम्पूर्ण रूप से समर्पित किया। उनकी कठिन परिश्रम के कारण दिन-प्रतिदिन परमेश्वर ने उनकी सेवा को आशीष दी और सैकड़ों लोगों ने प्रभु को स्वीकार किया और कई मण्डलियों की स्थापना की गई।

हमारे मिशनरी परिवारों में से एक क्रिस्टोफर थॉमस ने वसावी भाषा में बाइबल के अनुवाद के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। शीघ्र ही, नए नियम की पुस्तक का अनुवाद किया गया और इन लोगों को प्रभु में बढ़ने के लिए दिया गया। अन्य बहनों के साथ सुश्री एस्तेर मंगई ने निम्नलिखित स्थानों पर काम किया — बाजीपुरा, व्यारा, सेलाम्बा, उच्छाल और केंवड़ी। उनकी कड़ी मेहनत के कारण सैकड़ों बच्चों और महिलाओं ने प्रभु को स्वीकार किया और प्रभु की मण्डली में शामिल हो गए।

अंतिम काल :

बहन एस्तेर मंगई प्रभु के लिए एक उत्साही व्यक्ति की तरह रहती थी और उसने विवाह न करने का निर्णय लिया। उसने अपनी अंतिम सांस तक वासावे लोगों के परिवर्तन के लिए अथक परिश्रम की। सन् 1997 में, जब वह केंवड़ी में अपने किराए के घर में सीढ़ी चढ़ रही थी, तो वह गिर गई और उसकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में, उसे बेहतर उपचार के लिए 20 जनवरी 1998 को CMC वेल्लोर में स्थानांतरित कर दिया गया। CMC में बहुत अच्छी चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने के बाद भी, उसकी स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ती रही। डॉक्टरों के सब प्रयास व्यर्थ हो गए और वह 22 जनवरी 1998 को परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कर गई। उसने पंद्रह वर्षों से अधिक समय तक परमेश्वर की सेवा में कठिन परिश्रम की। वह हमेशा सुसमाचार बॉटने में व्यस्त पाई जाती थीं। लोग आज भी उसकी सराहना करते और उसे उसनकी विनम्र और सरल जीवन के लिए प्रेम से स्मरण करते हैं। वह आतिथि सत्कार के लिए भी जानी जाती हैं। उसने प्रभु के लिए अपना सर्वोत्तम दे दीं।

— रेव. डॉ. ई. राजन

पथ प्रदर्शक

एक उद्देश्य के निमित्त बचाया गया:

चीन के दूसरी पीढ़ी के मिशनरियों के घर जन्मे जॉन डुडली वुडबेरी के दादा-दादी ने कोरियाई युद्ध के दौरान चीनी युद्धबंदियों (युद्धकैदियों) के लिए पादरी के रूप में सेवा करने हेतु अपनी मातृभूमि छोड़ दी थी। तीन साल की उम्र में पहली बार “शिशु के समान” मसीही बनने के बाद, डुडली कहते हैं कि 1939 की सर्दियों में यंताई हार्बर के ठंडे पानी ने उनके विश्वास को प्रेरित किया। पाँच वर्षीय डुडली बर्फ में गिर गया, जिससे उसे निमोनिया हो गया। बीमारी से बमुश्किल बचने के बाद, डुडली को यकीन हो गया कि ईश्वरीय हस्तक्षेप ने उसकी जान बचाई है। पाँच साल की उम्र में भी, “मुझे एहसास हुआ” वे कहते हैं, “मुझे किसी उद्देश्य के लिए बचाया गया था।”

परमेश्वर की कृपा उनके जीवन में बहती रही और दो साल बाद, जब जापानियों ने पर्ल हार्बर पर बमबारी की और संयुक्त राज्य अमेरिका पर युद्ध की घोषणा की, तो डुडले और उनके परिवार को चीन में कब्जे वाली जापानी सेना द्वारा युद्ध बंदी बना लिया गया। माता-पिता और बच्चों को अलग कर दिया गया; डुडले और उनके भाई-बहन देश के एक अलग हिस्से में अपने माता-पिता से अलग युद्धबंदी बन गए। महीनों बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान के बीच एक नागरिक कैदी विनिमय पर बातचीत हुई। एक बार अपने साथियों के साथ फिर से मिल जाने के बाद अपने माता-पिता के साथ, उन्होंने जहाजों की अदला-बदली की और अपनी यात्रा में कई खतरों का सामना करते हुए अंततः न्यूयॉर्क के तट पर पहुँचे।

आगे बढ़ना सीखना:

डुडले को यह “कुछ” 13 वर्ष की आयु में पता चला, जब उन्होंने अग्रणी मिशनरी सैमुअल ज्वेमेर को यह कहते सुना, “यदि आप दुनियाँ में सबसे कठिन परन्तु सबसे पुरस्कृत काम करना चाहते हैं, तो मुसलमानों के बीच में सेवा करें।”



जॉन डुडले वुडबेरी

1955 में डुडले ने फुलर में बैचलर ऑफ डिविनिटी प्रोग्राम में दाखिला लिया, जिससे प्रत्येक स्कूल के दो छात्रों को मिशन क्षेत्र में यात्रा करने और स्वदेशी संस्कृतियों में अध्ययन पूरा करने का अवसर प्राप्त हुआ। डुडले को अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ बेरुत में अध्ययन के लिए चुना गया।

वह अपनी पत्नी और सेवकाई में भागीदार रॉबर्टा से लेबनान में मिले, जहाँ वह बेरुत कॉलेज फॉर विमेन में पढ़ रही थी। पश्चिमी लोग अक्सर मुसलमानों को एक अपरिष्कृत लोगों के रूप में देखते थे, जो कला, परंपरा और धार्मिक चिंतन से समृद्ध उनकी अत्यधिक विविध और विकसित संस्कृतियों को पूरी तरह परन्तु लेबनान में उनके समय ने उन्हें आश्चर्य किया कि कठोर बौद्धिक तैयारी अधिक प्रभावी गवाही की ओर ले जाएगी।

पुल का निर्माण करना:

जब उन्होंने फुलर से स्नातक की उपाधि प्राप्त की, तो हार्वर्ड ने उन्हें इस्लाम के प्रमुख पश्चिमी विद्वान सर हैमिल्टन गिब के अधीन अध्ययन करने के लिए स्वीकार कर लिया। डुडली ने अपनी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन किया, हसन अल-बन्ना के धर्मशास्त्र पर अपना शोध प्रबंध लिखा, मिशनरों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को कभी-कभी नापसंद किया जाता था क्योंकि उनसे अरब संस्कृति की सराहना करने की

अपेक्षा की जाती थी, न कि उसे बदलने की। डुडली ने इस्लामी राष्ट्रों की स्वदेशी संस्कृति से प्रेम करना और उसकी सराहना करना सीखा, जबकि अभी भी मसीह के उद्धारक प्रेम और प्रकाश को उन लोगों तक पहुँचाने की लालसा थी। अपने दो बच्चों के साथ वर्षों के प्रशिक्षण और विवेक के बाद, डुडली और रॉबर्टा प्रेस्बिटेरियन चर्च द्वारा वित्तपोषित पाकिस्तान में पूर्णकालिक मिशनरी बन गए। डुडली ने रावलपिंडी में मसीही अध्ययन केंद्र में काम किया और मसीही धर्म और इस्लाम के बीच पुल बनाने में बहुत प्रगति की, जिससे न केवल आपसी सम्मान विकसित हुआ बल्कि मुसलमानों को भी मसीही धर्म में लाने का मार्ग तैयार हुआ।

विद्वान, पादरी, अधिवक्ता:

डुडली के शैक्षणिक प्रयास भी अप्रत्याशित रूप से उनकी अपनी सुरक्षा और दूसरों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण साबित हुए। अफगानिस्तान में अपने पहले दौर के दौरान, लूका के सुसमाचार की प्रतियाँ वितरित करने के के जुर्म में दो मिशनरियों को गिरफ्तार किया गया था। हालाँकि वे कभी अदालत में पेश नहीं हुए, डुडली ने एक बचाव वकील को नियुक्त किया और स्वयं ही सुरक्षा को तैयार किया, जो कुरान की आयतों पर आधारित था जो मसीहियों और मुसलमानों को शांतिपूर्ण तरीके से सह-अस्तित्व की अनुमति देता है। मिशनरियों को रिहा कर दिया गया।

सऊदी अरब में भी ऐसी ही स्थिति बनी, जहाँ डुडले को सातवीं शताब्दी की इस्लामी विजय के तुरंत बाद अरब के अंदरूनी इलाकों में पहले स्वीकृत निवासी पादरी के रूप में सेवा करने के लिए बुलाया गया था। राजधानी रियाद और अन्य जगहों पर कलीसिया आश्चर्यजनक दर से विकसित हुआ, इस हद तक कि सरकार असहज हो गई। तनाव कम करने में मदद करने के लिए, डुडले ने उन्हें मुहम्मद के नाम से लिखे गए पत्र दिखाए, जिसमें मसीहियों को अपने चर्च में आराधना करने का अधिकार दिया गया था, बशर्ते वे वफादार रहें और कुछ वित्तीय और अन्य दायित्वों को पूरा करें। इसके बाद मसीहियों को बाहर से कम रूपरेखा वाली आराधना जारी रखने की अनुमति दी गई। जब डुडले और उनका परिवार संयुक्त राज्य अमेरिका लौटा रॉबर्टा के स्वास्थ्य और उनके बच्चों की शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं के कारण — पाकिस्तान, अफगानिस्तान और सऊदी अरब में 11

वर्षों तक सेवकाई संभालने के बाद — किंग खालिद ने उनके काम के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

हालाँकि उन्होंने 1992 से 1999 तक स्कूल ऑफ वर्ल्ड मिशन (SWM) में डीन के रूप में प्रमुख पहलों की देखरेख की, परन्तु डुडले का प्रभाव शायद मुसलमानों और उनके संदर्भों के अध्ययन में सबसे अधिक था। उन्होंने दक्षिण एशिया, पश्चिम और पूर्वी अफ्रीका में शोध की देखरेख की, जिसमें दिखाया गया कि मुसलमान न केवल एक “आकर्षण मॉडल” में मसीह में विश्वास कर रहे थे — एक चर्च या मसीहियों के प्रति आकर्षित होना — बल्कि एक “परिवर्तन मॉडल” में भीरु साथी मुसलमानों के भरोसेमंद समूहों के भीतर कुरान में वर्णित लोगों की बाइबिल कहानियों का अध्ययन करना, और इस प्रकार धीरे-धीरे उद्धारकर्ता के रूप में मसीह में विश्वास करना भी शामिल था।

डुडली के एस.डब्ल्यू.एम. के डीन पद से सेवानिवृत्त होने के बाद, रॉबर्टा ने पाकिस्तान के एक स्कूल में शैक्षणिक वर्ष के दौरान अपने पोते और अन्य प्रवासी बच्चों को पढ़ाने का अनुरोध स्वीकार कर लिया। इस दौरान फुलर संयुक्त राज्य अमेरिका और विदेशों में मुसलमानों के साथ शांति स्थापना में शामिल हो गए। चूंकि डुडली कहानी सुनाने में तेज और श्रेय लेने में धीमे थे, इसलिए यह कहना उचित होगा कि उन्होंने मिशन, शिक्षा और कूटनीति में आंदोलनों को प्रभावित किया जो इस बात पर चर्चा को प्रभावित करते हैं कि मसीही और पश्चिम मुसलमानों के साथ कैसे बातचीत करते हैं।

अब भी यात्रा पर:

डुडले के अविश्वसनीय जीवन की कहानी उनके काम की असाधारण गहराई से ही आगे निकल जाती है। यह सुझाव दिया गया है कि वह एक संस्मरण लिखें: तीन देशों में तीन गिरफ्तारियाँ, न्यूयॉर्क से इक्वाडोर और ईरान, पाकिस्तान और भारत से होते हुए हिचहाइकिंग, पनामा से संयुक्त राज्य अमेरिका तक मार्ग के लिए डेकहैंड के रूप में काम करना, बंधकों की ओर से बातचीत करना, गृहयुद्ध और क्रांतियों से गुजरना: यह सब निश्चित रूप से किसी प्रकार के साहित्यिक स्मरणोत्सव की मांग करता है।

“ओह, नहीं” डुडली ने अपना सिर हिलाते हुए कहा। “मुझे नहीं लगता कि मेरे पास समय होगा। मेरे पास करने के लिए बहुत काम है।”

चिखली कलीसिया का इतिहास



द्वारा लिखित **रेख. एल. मसीलामणि**

सामान्य जानकारी

395 की आबादी वाला चिखली (लवचलिसाजा) गाँव भारत के गुजरात राज्य के डांग जिले के सुबीर उप जिले में स्थित है और डांग जिले का 89वाँ सबसे कम आबादी वाला गाँव है। चिखली (लवचलिसाजा) गाँव का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 7 वर्ग किमी है और यह जिले में क्षेत्रफल के हिसाब से 73वाँ सबसे बड़ा गाँव है। गाँव की जनसंख्या का घनत्व 57 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी है। लिंगानुपात 1000 पुरुषों में 1158 महिलाएँ हैं।

चिखली की जनसंख्या – डांग, गुजरात

चिखली गुजरात के डांग जिले के डांग तालुका में स्थित एक मध्यम आकार का गाँव है, जिसमें कुल 91 परिवार के लोग निवास करते हैं। 2011 के जनगणना के अनुसार चिखली गाँव की कुल जनसंख्या 395 है, जिसमें 183 पुरुष और 212 महिलाएँ हैं।

गुजरात की तुलना में चिखली गाँव की साक्षरता दर बहुत कम है। 2011 में, चिखली गाँव की साक्षरता दर गुजरात की साक्षरता दर 78.03: की तुलना में

56.31% थी। चिखली में पुरुष साक्षरता 66.43% है जबकि महिला साक्षरता दर 47.93% है।

भारत के संविधान और पंचायती राज अधिनियम के अनुसार, चिखली गाँव का प्रशासन सरपंच (गाँव का मुखिया) द्वारा किया जाता है, जो गाँव का निर्वाचित प्रतिनिधि होता है।

जातिगत कारक

चिखली गाँव में, गाँव की अधिकांश आबादी अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) से है जो चिखली गाँव के अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) की कुल आबादी का 100 प्रतिशत: है। डांग जिला के चिखली गाँव में अनुसूचित जाति (एस.सी.) की कोई आबादी नहीं है।

कार्य की बाहरी रूपरेखा

चिखली गाँव की कुल जनसंख्या में से 211 लोग कार्य गतिविधियों में लगे हुए हैं। 86.73 प्रतिशत श्रमिक अपने काम को मुख्य कार्य (6 महीने से अधिक रोजगार या कमाई) बताते हैं, जबकि 13.27 प्रतिशत 6 महीने से कम समय के लिए आजीविका प्रदान करने वाली सीमांत गतिविधि में शामिल रहते हैं।

जनसंख्या वृद्धि

पिछले 10 वर्षों में गाँव की जनसंख्या में -27.3 प्रतिशत की कमी आई है। 2001 की जनगणना में यहाँ की कुल जनसंख्या 543 थी।

प्रारम्भ

8 मई 1981 को एल. मसीलामणि, उनकी पत्नी श्रीमती वनमति और उनके पहले बेटे एम. जॉन किंग्सली (दो साल और आठ महीने) ने पीपलवाड़ा गाँव में एक किराए के घर में जाकर अहवा मिशन क्षेत्र खोला। सेवकाई के दौरान उन्हें पता चला कि पास के जुन्नर गाँव में सुसामचार के प्रति लोगों की अच्छी ग्रहणशीलता है और वे 30 नवम्बर 1981 को जुन्नर गाँव चले गए। जुन्नर गाँव में विरोध के कारण, मिशनरी परिवार 30 अगस्त 1982 को जुन्नर छोड़कर अहवा में रहने लगे। इस विरोध के दौरान अहवा सी.एन.आइ. चर्च के पादरी रेह. टीवी गायकवाड़ ने उनकी बहुत सहायता की। जब डोलियांबर गाँव के मुखिया और मनु भाई ने मिशनरियों को अपने गाँव में आमंत्रित किया, तो मिशनरी 12 मार्च 1983 को डोलियांबर गाँव में रहने चले गए। डोलियांबर और आस-पास के गाँवों से बहुत से लोग मसीह से चंगाई पाने के लिए डोलियांबर आए। परमेश्वर ने कई चमत्कार किए और बहुत से लोगों ने यीशु पर विश्वास किया। चिखली गाँव डोलियांबर से लगभग दस किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। डोलियांबर गाँव की मण्डली आस-पास के गाँवों में रहने वाले कई लोगों के लिए आशीर्वाद का माध्यम बन गई। चिखली के लोगों ने डोलियांबर कलीसिया की सेवकाई के माध्यम से यीशु मसीह का अनुभव किया।

चिखली गाँव का प्रथम विश्वासी

जतार्या भाई जन्या भाई पवार

(1985 में बपतिस्मा) हैं।

वह अपने धर्म परिवर्तन के अनुभव का वर्णन इस प्रकार करते हैं:



“मैं अपने पूर्वजों के धर्म का पालन कर रहा था। जब भी हम बीमार पड़ते थे, मैं भगतों (जादूगरों या तांत्रिकों) के पास जाता और बीमारियों के ठीक होने के लिए कुछ खास चढ़ावा चढ़ाने की मन्त मन्तें रखता था। एक बार मेरे पेट और पूरे शरीर में बहुत दर्द हुआ। मैं भगतों के पास गया और पूजा के लिए मुर्गे और नारियल चढ़ाया। परन्तु, मुझे कोई राहत नहीं मिली। मैं अस्पताल गया और वहाँ एक महीने तक रहा। फिर भी मेरी बीमारी दूर नहीं हुई। मेरे छाती और पेट में दर्द और अधिक बढ़ गया। एक दिन एक महिला ने मुझसे कहा कि डोलियाम्बर गाँव में मसीही लोग रहते हैं और अगर मैं उनकी सभा में जाऊँ तो मुझे चंगाई मिल जाएगा। मैंने सोचा कि मैंने अपनी बीमारी के लिए बहुत खर्च किया है और मेरी बीमारी दूर नहीं हुई और यह सिर्फ प्रार्थना से कैसे दूर हो जाएगी। मैं अपनी बीमारी से थक चुका था। इसलिए, मैं एक रविवार को डोलियाम्बर मसीही सभा में गया। कलीसिया का एक प्राचीन ने मुझसे कहा कि मुझे हर रविवार को सभा में जाना होगा और मसीही धर्म के नियमों का पालन करना होगा तभी बीमारी दूर होगी। यह कहने के बाद उन्होंने मेरे लिए प्रार्थना की। मेरे हाथ पर एक जादुई डोरी थी जिसे एक जादूगर ने मेरी बीमारी के उपचार के लिए बाँधा था। उसने मुझे इसे फेंकने देने के लिए कहा।

मैंने इसे फेंक दिया और मेरे हृदय में तुरंत ही शांति आ गई। मैं पूरी तरह से ठीक हो गया और मैं हर रविवार को डोलियाम्बर चर्च की सभा में जाने लगा। मैं अपनी पत्नी को भी सभा में अपने साथ ले जाता था। प्रचारक संपत भाई और मिशनरी एल. मसिलामणि हमें मसीही धर्म के बारे में समझाते थे। हम इसे समझते थे और जो कुछ भी वे हमें सिखाते थे, हम उसका पालन करते थे। दस किलोमीटर पैदल चलकर हम अपने गाँव चिखली से डोलियाम्बर चर्च जाते थे। मुझे अपनी बीमारी से पूरी तरह से मुक्ति मिल गई थी। अपने गाँव में यह देखकर सोमा भाई, मंगू भाई भी अपने परिवार के सदस्यों की बीमारियों के इलाज के लिए डोलियाम्बर चर्च की सभाओं में आते थे। बाद में देवराम भाई और चार अन्य परिवारों ने ईसा मसीह पर विश्वास करना शुरू कर दिया और हम सभी कलीसिया की सभाओं में भाग लेने के लिए डोलियाम्बर गाँव जाने लगे। फिर हमने प्रचारक और मिशनरी से हमारे गाँव में सभाएँ आयोजित करने के लिए कहा। इस तरह 1985 से हमारे गाँव में सभाएँ शुरू हुईं। प्रचारक हमारे गाँव में आते थे और सभाएँ करते थे और धीरे-धीरे विश्वासियों की संख्या पाँच से बढ़कर बीस परिवारों तक पहुँच गई। मैं इस वृद्धि के लिए परमेश्वर की स्तुति करता हूँ। 1986 में, हमारे गाँव में एक बपतिस्मा सभा भी आयोजित की गई। अब मेरे तीनों बेटे और उनके परिवार के सदस्य मसीही विश्वास में हैं और मैं इसके लिए परमेश्वर का शुक्रिया अदा करता हूँ।”

प्रथम विश्वासी सोमा भाई जतार्या भाई पवार का पुत्र जातर्या भाई जानिया भाई पवार की गवाही

जतार्या भाई परिवार ने सन् 1985 में बपतिस्मा लिया। 1985 में जतार्या भाई ने प्रचारक संपत भाई और मिशनरी रेव्ह. एल. मसीलामणि से संपर्क किया और उनसे अपने गाँव में साप्ताहिक

रात्रि सभा आरम्भ करने का अनुरोध किया। रेव्ह. एल. मसीलामणि 31 दिसम्बर 1985 को चिखली गए और उस गाँव में एक सभा आयोजित की। इसलिए 1985 से चिखली में प्रथम विश्वासी जतार्या भाई के घर में रात्रि सभाएँ शुरू की गईं।

चिखली गाँव में कलीसिया का विकास:

प्रथम विश्वासी जतार्या भाई के गवाही जीवन के कारण चिखली गाँव में बहुत से बीमार लोगों ने यीशु मसीह की चंगाई शक्ति की तलाश की। इसलिए साधकों ने पहले जतार्या भाई के घर और बाद में कच्चे चर्च में आयोजित रात्रि सभाओं में भाग लिया। 30 जनवरी सन् 1987 को चिखली गाँव में एक विशेष सभा और बपतिस्मा कार्यक्रम आयोजित की गई। रेव्ह. इसराइल देवदास, कार्यालय कर्मचारी राजेंद्रन और एल. मसीलामणि चिखली गए और एक विशेष रात्रि सभा आयोजित की और वे वहीं रुके। लोग डोलियाम्बर, दामादविहिर और झारन से आए थे। 31 जनवरी सन् 1987 को श्रीमती मसीलामणि और श्रीमती इस्राएल चिखली आए। उस दिन चिखली में रेव्ह. इस्राएल देवदास ने 25 लोगों को बपतिस्मा दिया।

दो विश्वासियों ने यीशु मसीह को कैसे पाया इसके विषय पर अपनी गवाही साझा किए।

जामसू भाई कालू भाई (1986 में बपतिस्मा लिया हुआ)

“मैं बचपन से ही एक मूर्तिपूजक था। मैंने पिंपरी स्कूल में आठवीं कक्षा तक पढ़ाई की। गरीबी के कारण मैं आगे नहीं पढ़ सका। बाद में मेरे पिता की मृत्यु हो गई इसलिए मुझे अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए पैसे कमाने के लिए काम पर जाना पड़ा। कुछ दिनों के बाद मेरी माँ की भी मृत्यु हो गई। मैं बहुत गरीब हो गया। बीमारी आने पर मेरे पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं थे। एक बार मैं बीमार हो गया और मेरी पत्नी भी बीमार हो गई। मेरे पेट में ट्यूमर जैसी कोई

बीमारी थी। हमारे पास अपनी बीमारियों पर खर्च करने के लिए पैसे नहीं थे। कोई भी हमें अपनी बीमारियों पर खर्च करने के लिए पैसे देने को तैयार नहीं था। मेरे चाचा जतार्या भाई ने हमें मसीही धर्म अपनाने के लिए कहा और बताया कि यीशु मसीह मुफ्त में ठीक कर देंगे। इसलिए हम अपने गाँव में मसीही सभाओं में शामिल हुए। मेरे चाचा ने हमारे लिए प्रार्थना की। परमेश्वर ने हम दोनों को चंगा कर दिया। मैंने मसीही धर्म को इंजीलवादियों की शिक्षाओं और खुद बाइबल पढ़ने के माध्यम से समझा और हमने 1986 में अपने गाँव में बपतिस्मा लिया।

सोन्या भाई रवजू भाई कोटवा और सारू बेन. (कच्चा चर्च भवन के भूमि दाता)



“मैं बीमार था। मेरे हाथ-पैरों में दर्द था। मैं कोई काम नहीं कर सकता था। मेरे चाचा जतार्या भाई ने मुझे ठीक होने के लिए मसीही धर्म अपनाने को कहा। उन्होंने मेरे लिए प्रार्थना की। जतार्या भाई मुझे वाघई मिशन अस्पताल ले गए। मैंने दवाइयाँ लीं और दो महीने में मैं ठीक हो गया। मैं मसीही बन गया। मेरे दो बेटे हैं और वे शादीशुदा हैं और उनके कई संतान हैं। मुझे अच्छा लगा और मैंने कच्चा चर्च निर्माण के लिए जमीन दान कर दी। परमेश्वर ने मुझे आशीष दी है। मैं पहले पागल जैसा था। अब परमेश्वर ने मुझे एक अच्छा इंसान बना दिया है।”

कलीसिया भवन का निर्माण

सन् 1986 में प्रथम विश्वासी जतार्या भाई के घर

के बरामदे में रात्रिकालीन सभाएँ शुरू की गई थीं। सभा शुरू होने के तीन साल बाद इस गाँव में कच्चा चर्च का निर्माण किया गया। 9 जुलाई 1987 को डॉ. पॉल और उनके कर्मचारी (एन.एस.एम.) सुबह अहवा आए। उनके साथ एल. मसीलामणि परिवार, रेव्ह. इस्त्राएल परिवार और भाई थंगावेल बस से चिखली गए। डॉ. पॉल ने नए कच्चे चर्च का लोकार्पण किया।

28 नवम्बर 1991 को रेव्ह. टी.वी. गायकवाड़ ने रात में नवीनीकृत चिखली चर्च का लोकार्पण किया। भाई राकेश और एल. मसिलामणि उनके साथ गए। चिखली चर्च एक गैर-ईसाई भूमि पर थी। जून 1998 में, इसे एक विश्वासी की भूमि पर स्थानांतरित कर दिया गया। चर्च का समर्पण मेले के एक कार्यक्रम में किया गया।

पक्का चर्च भवन का निर्माण: 20 मार्च 2010 तक चर्च का निर्माण पूरा हो गया। वास्तविक निर्माण कार्य पाँच दिनों के भीतर पूरा हो गया। लोगों ने चर्च निर्माण के लिए अपना श्रमदान दिए। यह एक निःशुल्क सेवा थी। श्रीमती और श्री धर्मदुरई ने 25 सितम्बर सन् 2011 को इस चर्च का लोकार्पण किया। समर्पण के लिए दस लोग बाहर से आए थे।

विश्वासियों की गवाहियाँ:

1. शालू बेन गोविंद भाई

“मैं अपने पति के साथ अपने पैतृक धर्म का पालन कर रही थी। मैं लकवाग्रस्त बीमारी से पीड़ित थी। मैंने तांत्रिकों के माध्यम से कई मुर्गों और बकरों की बलि देकर मेरी बीमारी से चंगाई पाने का प्रयास किया। परन्तु मैं ठीक नहीं हुई। मैंने मेरी बीमारी बहुत रुपये खर्च किए परन्तु मैं चंगी नहीं हो सकी। अंत में मैं लंगड़ी हो गई और मैं कुछ भी चल नहीं सकती थी। मैं बहुत निराश थी। अंत में मेरे पति ने मुझे ठीक होने के लिए सहकर्मी धर्म या किसी अन्य धर्म को अपनाने के लिए कहा। मेरे गाँव में मसीही सभा चल रही थी।

मैंने उस सभा में जाना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे मैं ठीक हो गई और चलने लगी। फिर मैंने यीशु पर विश्वास किया और मैंने उसे अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार कर लिया।

2. देवराम भाई पांडु भाई

“मैं अपने पैतृक धर्म का पालन कर रहा था। एक बार मुझे सिर दर्द हुआ और मैं बेहोश होकर गिर पड़ा। शैतान मेरा पीछा कर रहा था। वह मुझे बहुत डरा रहा था और मुझे खाने के लिए आ रहा था। फिर मैं जोर-जोर से चिल्लाने लगा और भागने लगा। मेरे शरीर में बहुत दर्द होने लगा। इसलिए मुझे भगतों के पास ले जाया गया और पूजा में कई मुर्गे और बकरे चढ़ाए गए। परन्तु मुझे कोई इलाज नहीं मिला। शैतान मेरे सामने से और मेरे पीछे से आ रहा था। इस दौरान गाँव के कलीसिया के एक प्राचीन जतार्या भाई ने मुझे मसीही धर्म अपनाने के लिए कहा और बताया कि इससे मेरी सारी बीमारियाँ दूर हो जाएँगी और शैतान भी मुझे छोड़ देगा। इसलिए मैं अपने गाँव में मसीही सभाओं में गया और प्राचीनों और अन्य लोगों ने मेरे लिए प्रार्थना की। मेरी बीमारी ठीक हो गई और उस समय से शैतान मेरे सामने कभी नहीं आया। मेरी पत्नी और मैंने यीशु मसीह पर विश्वास किया और हमने 1987 में बपतिस्मा लिया।”

मण्डली का विवरण/गिरजाघर

1. यह चर्च अप्रैल 2013 को FMPB द्वारा चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया, गुजरात डायोसीज को सौंप दिया गया। यह चर्च पिपलईदेवी पास्टोरेट के अधीन आता है।

2. मण्डली की मजबूती

विश्वास से भटके हुए लोगों को मिलाकर बपतिस्मा प्राप्त लोगों में से लगभग 150 लोग हैं। इनमें से लगभग 50 लोग विश्वास से भटक गए हैं। 27 परिवार अभी भी विश्वास में हैं, जिनकी कुल संख्या 100 है। अन्य गाँवों से कोई भी

विश्वासी इस चर्च में नहीं आता है। प्रत्येक कलीसियाई आराधना में हर सप्ताह लगभग 35 लोग भाग लेते हैं।

3. कलीसिया में जनसमूह: इस कलीसिया में भील लोगों की संख्या अधिक है। कुछ लोग कुकना जनसमूह से आते हैं।

4. प्रचारक: इस चर्च के प्रचारक गुहाड़िया गाँव का लारस्या भाई लक्ष्मण भाई हैं। चर्च की सभाएँ निःशुल्क रूप से बिना किसी तनख्वाह के प्रचारक द्वारा संचालित की जाती हैं।

पादरी एक या दो महीने में एक बार आते हैं।

5. कलीसिया की गतिविधियाँ: कलीसिया में रविवारीय आराधना, गृह प्रार्थना सभा और शुक्रवार प्रार्थना सभाएँ संचालित की जाती हैं।

6. दान: हर महीने 350 से 400 रुपये एकत्र किया जाता है। चढ़ावे के प्रकार: रविवार की आराधना में उठाने की भेंट, धन्यवाद भेंट, प्रथम फल आदि कलीसिया में चढ़ाई जाती हैं।

7. आउटरीच सेवा

इस गाँव में कुल 500 लोग रहते हैं। लोगों के उद्धार के लिए हर महीने एक बार उपवास के साथ कलीसिया में और जंगल में प्रार्थना की जाती है। इस प्रार्थना में सात से आठ लोग भाग लेते हैं। जब लोग बीमार होते हैं तो वे स्वेच्छा से जाते हैं और उनसे अपने लिए प्रार्थना करने के लिए कहते हैं।

8. पलायन: 75 प्रतिशत लोग गन्ने के खेतों में काम करने जाते हैं। ऐसे समय में दस से बारह लोग ही कलीसिया की आराधना में भाग लेते हैं।

9. प्रार्थना बिंदु:

दो भागों में विभाजित कलीसिया एक में बदलने पाए। लोग बुरे मार्गों में नाश हो रहे हैं। वे परमेश्वर के पास आएँ। कलीसियाई सभा का संचालन सुचारु रूप से हो। मसीही विश्वासीगण विश्वास में मजबूत हों।



परमेश्वर का तरसपूर्ण स्पर्श

रीना बेन गुजरात राज्य के छोटा उदयपुर जिले के बोड़ेली मिशन क्षेत्र की रहने वाली एक अच्छी प्रार्थना योद्धा है। परमेश्वर की कृपा से, उसने गर्भधारण की। उसकी स्कैन रिपोर्ट में कहा गया कि भ्रूण उसके गर्भ के बजाय उसकी फैलोपियन ट्यूब में मौजूद था। क्योंकि यह माँ के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता था, इसलिए डॉक्टरों ने गर्भपात करने का सुझाव दिया। परन्तु रीना ने विश्वास के साथ परमेश्वर से प्रार्थना करने का फैसला किया और डॉक्टर की कही गई बातों को भूलकर अपनी गर्भावस्था को जारी रखने का फैसला किया। एक रात जब वह अपने पति के साथ प्रार्थना कर रही थी, तो उसे अपने पेट में कुछ हलचल महसूस हुई जिससे उसे बहुत तकलीफ हुई। फिर भी, वह प्रार्थना में लगी रही। अगले दिन जब वह चेक-अप के लिए अस्पताल गई, तो वह डॉक्टरों को यह कहते हुए सुनकर हैरान रह गई कि भ्रूण बड़ा हो गया है और फैलोपियन ट्यूब से उसके गर्भ में चला गया है। यह सुनकर उसने परमेश्वर की स्तुति की। परमेश्वर की तरसपूर्ण स्पर्श के लिए उनकी स्तुति करें।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती मधुरा शांति राम्या राजू
श्री मंज्या नायक जी., श्री राजा बी.
श्रीमती फ्लोरेंस दोजापाओ
श्रीमती जेबारानी एबेनेजर सैम
श्री कृपा रक्षणा बरें

**जम्मू
साम्बा:**

**अय्यनार डेविड एवं
मनप्रीत कौर**

स्तुति : पटयारी और सुंबू गाँवों में हमने नए संपर्क स्थापित किए हैं। कुट्टाहा गाँव के 2 लोगों ने यीशु मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता स्वीकार किया है। मटवाल गाँव में आए प्रवासी श्रमिक सुसमाचार में रुचि दिखा रहे हैं। पटयारी गाँव में रामपाल के टूटे हुए हाथ प्रार्थना के द्वारा ठीक हुआ। कुट्टाहा और सुकमंगा गाँव के विश्वासी मिशनरियों को कई व्यक्तिगत घरों में परमेश्वर के वचन का प्रचार करने के लिए ले जाते हैं। परमेश्वर ने कुट्टाहा और सुंबा गाँव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बाद भी सेवकाई के सुचारु रूप से संचालन करने में हमें सक्षम बनाया।

प्रार्थना : कुट्टाहा गाँव में सुसमाचार प्रचार कार्य में बाधा डाल रहे रोशन के

लिए प्रार्थना करें ताकि उसका सामना जीवित प्रभु से हो सके। विभिन्न बीमारियों से पीड़ित पटयारी गाँव की आशारानी के पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें। पोंगवाल गाँव की मधुबाई के लिए प्रार्थना करें जिसने अपनी पारिवारिक समस्याओं के कारण चर्च आना बंद कर दिया है, ताकि वह उनसे उबरने का कोई रास्ता खोज सके और आराधना सेवा में वापस आ सके। कुट्टाहा गाँव की कोनिका और शिवा को अच्छी नौकरी मिल सके। सांबा जिले में चर्च निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि की खरीद के लिए प्रार्थना करें।

बाजल्दा:

**वासावे एलेश प्रभु एवं
सुनीता वेच्या**

स्तुति : व्यक्तिगत प्रचार के माध्यम से लगभग 65 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया और उनके लिए प्रार्थना की गई। महासा और भगत लोगों के समूहों में सुसमाचार के लिए अच्छी शुरुआत हुई है। 3 नए परिवार चर्च में आने लगे हैं। ग्रामीणों ने मनवेल और सेलिया गाँव में सुसमाचार सभा आयोजित करने की अनुमति दे दी है।

प्रार्थना : सुनील शर्मा के परिवार ने धर्मशास्त्रों को सीखने में गहरी रुचि दिखाई है। प्रार्थना करें कि वह उद्धार पाए। प्रभु उन धार्मिक कट्टरपंथियों को स्पर्श करें जो कून गाँव में एक स्कूल और एक मंदिर बनाना चाहते हैं और गाँव में मिशनरियों के प्रवेश को रोकना चाहते हैं।



जन्मदिन मुबारक

श्री थावंग खान काप पी.
श्रीमती कुरे भारती मारुडे प्रताप

बशाहोली :

सुरकर रमेश बाई एवं
गवित सुनीता बेन

स्तुति : कोरजीवाड़ा गाँव में आयोजित सुसमाचार सभा में लगभग 6 लोगों ने अपने पापमय जीवन का त्याग किया और मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। संजर गाँव में लगभग 7 नए परिवारों ने चर्च में आना शुरू कर दिया है। मणिको देवी और रामबादेवी को दुष्टात्माओं के कब्जे से मुक्ति मिली है। रेबर गाँव की मधुदेवी पर प्रभु का आशीर्वाद है, जिन्होंने अपने विवाहित जीवन के 7 वर्षों के बाद गर्भधारण कर एक बच्चे को जन्म दिया।

प्रार्थना : चर्च के एल्डर्स देशराज, बिट्टू, हर्षराज और गायत्री के अभिषेक और आध्यात्मिक नेतृत्व के लिए तथा उन्हें अपनी मण्डली का प्रभावशाली ढंग से नेतृत्व करने के लिए प्रार्थना करें। शैतानी हमलों से पीड़ित विजयरानी के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। देशराज को उसकी किडनी की बीमारी से मुक्ति मिले। वी.बी.एस. में शामिल होने वाले और सुसमाचार सुनने वाले 67 बच्चों के लिए गवाही देने वाले बच्चों के लिए प्रार्थना करें कि वे गवाही का जीवन जाएँ। प्रार्थना करें कि विश्वासियों के बीच व्याप्त शराब की लत दूर हो।

नौशेरा :

सियानलुन्थांग जोउ एवं लिंगनेइहोई;

सैक सुबानी एवं एमी बैक्या

स्तुति : मसीह में जीवन परिवर्तन करने वाले 3 व्यक्तियों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। लाम, धला और राजपुरी गाँवों में पहली बार सुसमाचार का प्रचार किया गया। 10 गाँवों में आयोजित VBS कार्यक्रम में लगभग 90 बच्चों ने भाग लिया और परमेश्वर का वचन सुना। परमेश्वर की कृपा से हम काई गाँव में आराधना सेवा को फिर से शुरू करने में सक्षम हुए, जिसे उत्पीड़न के कारण रोक दिया गया था।

प्रार्थना : सुभाष के पिता के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने अपने बेटे के ईसाई धर्म अपनाने पर पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह उस भूमि पर मंदिर बनाने के उनके प्रयासों को रोके जो वास्तव में सुभाष की है। मुँह के कैंसर के अंतिम चरण से जूझ रहे धीरवेंदर सिंह के लिए प्रार्थना करें ताकि वे मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार कर सकें। अगामी नियोजित आउटरीच सुसमाचार सेवा के प्रभावी संचालन के लिए प्रार्थना करें।

आईए हम प्रार्थना में मध्यस्थता करें!

जब पिंपलनेर में जामता चर्च में अतिरिक्त आराधना चल रही थी, तब जनकर शुक्ला के नेतृत्व में लोगों का एक समूह अंदर आया और धर्मग्रंथों, भजन पुस्तकों और कैलेंडरों को तोड़ दिया और जला दिया तथा चर्च में अन्य देवताओं की तस्वीरें लगा दीं, और विश्वासियों को दूर भगाया गया। आईए हम लक्ष्मण विकास के पश्चाताप और उद्धार के लिए प्रार्थना करें, जिन्होंने कंदपारा गाँव में आराधना सेवाओं पर रोक लगा दी है।



उधमपुर :

अरुण घंटा एवं रेणु

स्तुति : 7 व्यक्तियों ने प्रभु यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया और सार्वजनिक विश्वास स्वीकारोक्ति कार्यक्रम में इसकी घोषणा की। महासा और भगत समुदायों से 3 नए परिवारों ने कलीसिया की आराधना में भाग लेना शुरू कर दिया है। 58 बच्चों ने 4 स्थानों पर आयोजित वी.बी.एस. कार्यक्रम में भाग लिया और सुसमाचार सुना। कटरा गाँव के काली को प्रार्थना के उत्तर में लीवर ट्यूमर से पूरी तरह चंगाई मिली। जब विश्वासियों ने जाकर उनके लिए प्रार्थना की, तो पूरे परिवार को शैतानी हमलों और बंधनों से मुक्ति मिली।

प्रार्थना : पिलंका गाँव की पिमला देवी को गुर्दे की बीमारी से ठीक होने के लिए प्रार्थना करें। निशा, दीपू और रेखा के लिए प्रार्थना करें कि वे उद्धार पाएँ। प्रार्थना करें कि रोशनी को त्वचा के संक्रमण से के पूर्ण रूप से चंगाई मिले और उनके परिवार के लोग उद्धारक विश्वास में आएँ। प्रभु से प्रार्थना करें कि सुसमाचार प्रचार सेवा की आशीष और खुले दरवाजे प्रदान करने और लोगों के दिलों को सुसमाचार के प्रति प्रतियुत्तर देने के लिए प्रेरित करे।

हिमाचल प्रदेश

जेओरी : जामखोंगम एवं

आइरीन लेथेनमौंग

स्तुति : आठ गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। 220 नई आत्माओं ने पहली बार

सुसमाचार प्राप्त किया है। 3 लोगों ने यीशु मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। दो स्थानों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई। बीमार शीला को प्रार्थना के माध्यम से चंगाई मिली और उसने काम करना शुरू कर दिया है। रेश्मा को एनीमिया से चंगाई देने के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

प्रार्थना : नए विश्वासियों के बीच द्वितीय चरण की सेवकाई के लिए प्रार्थना करें। श्वास से पीछे हटे पीछे सुलोचना के लिए प्रार्थना करें के वह विश्वास में वापस आए और विश्वास में मजबूत हो। शिमा को घबराहट और भय की भावना से छुटकारा मिले। थुलमपटेल को घुटने के दर्द और आँखों की समस्याओं चंगाई मिले। हमारे स्थानीय प्रचारक हरिलाल और उनकी पत्नी को गुर्दे की पथरी से मुक्ति मिले। प्रार्थना करें कि विजयलक्ष्मी को संतान की आशीर्वाद मिले। परमेश्वर से प्रार्थना करें कि अमोस नामक आठवीं कक्षा के छात्र को सांत्वना दें, जो छात्रावास में नया आया है और माता—पिता के अलग होने से पीड़ित है।

परमेश्वर के लिये सब कुछ सम्भव है!

उत्तराखंड के मालधनचौर के वाड़ाफ गाँव के सुखविंदर सिंह शैतान के बन्धन में फंस गया था। उन्होंने खाना बंद कर दिया, अपने बाल जला लिए, अपने कपड़े फैंला दिए और नंगे ही घूमते रहे, बिल्कुल बाइबिल में लीजन की तरह। उनके माता—पिता, उन्हें कई जगहों पर ले गए, परन्तु कोई समाधान नहीं मिला, इसलिए उन्होंने अपने घर पर उनके उद्धार के लिए प्रार्थना करने के लिए एक विशेष उपवास प्रार्थना का आयोजन किया। परमेश्वर ने सभी की प्रार्थना सुनी और सुखविंदर को शैतान के बंधन से मुक्त किया। उसके बाद, उसे कपड़े पहनाए गए और वह फिर से खाना खाने लगा। इस चमत्कार के माध्यम से, उसका पूरा परिवार मसीह में विश्वास करने लगा और उसे स्वीकार कर लिया। परमेश्वर की स्तुति हो!



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती मंगैयाकरसी बेंजामिन
श्रीमती सुविला ज्ञानापु डैनियल

रिकोंगपिओ : ए. शंकर एवं रूथ मेरी

स्तुति : 5 धर्मयुद्ध सभाओं के द्वारा 8 नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। सुसमाचार फिल्में 8 स्थानों पर प्रसारित किया गया, तथा कई अन्य स्थानों पर हमें सभाएँ आयोजित करने का अवसर मिला। शांति को कई प्रकार के बंधनों से मुक्ति मिल गई है। सत्या को प्रार्थना के माध्यम से रक्तचाप और अग्नाशय की पथरी से चंगाई मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि सुसमाचार अन्य 7 नए गाँवों तक पहुँचाया जा सके। प्रार्थना करें कि 4 नए स्थानों पर क्रूसेड सभा का आयोजन किया जा सके। 20 स्थानों पर आयोजित होने वाली रात्रि सभाओं के लिए प्रार्थना करें कि अधिक से अधिक लोग इस सभा में भग लें। इस वर्ष का वार्षिक लक्ष्य 850 आत्माओं को प्रभु के पास लाना है कृपया इाके लिए प्रार्थना करें। हमारे विश्वासी अमानतहीप के हाथ के फ्रैक्चर से ठीक होने के लिए तथा उसकी चिकित्सा और शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएँ सफल होने के लिए प्रार्थना करें। रिकोंगपिओ में एक नए चर्च की स्थापना के लिए प्रार्थना करें क्योंकि लोग दूर-दूर से चर्च में आराधना के लिए आते हैं। प्रार्थना करें कि इस क्षेत्र में और अधिक मिशनरियों को बढ़ावा मिले। इस मिशन क्षेत्र के सभी मिशनरियों की स्वस्थ के लिए प्रार्थना

एनी : जिन स्वाम एवं चिंग होईकिम

स्तुति : 2 गाँवों में 350 लोगों को सुसामचार

सुनाया गया और 20 स्थानों पर प्रार्थना सभाएँ आयोजित की गईं। प्रार्थना द्वारा सोनू को सामान्य प्रसव के माध्यम से एक बच्चे का आशीर्वाद मिला। जोप्पू देवी, जिन्हें चलने में कठिनाई होती थी, प्रार्थना के माध्यम से उसको छुअकारा मिली। कमला को दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिली। सिद्ध देवी के पति, जो अस्पताल में भर्ती थे, प्रार्थना के माध्यम से चंगाई मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि राम देव को स्ट्रोक से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि पारिवारिक विवादों के कारण अलग हुए कमला और उनके पति का फिर से मिलन हो। प्रार्थना करें कि गरुड़न परिवार को सभी पारिवारिक समस्याओं से शांति प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि हमारी विश्वासिनी गंगा देवी का अपने बेटे से मिलन हो, जिसने उसे छोड़ दिया था। विश्वास से भटके हुए थारुराम, नटोराम, पाकरम, जीलयाल और पाराल के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु की आर फिर से लौट आएँ।

साँपों को शांत करने के लिए एक आम आदमी की प्रार्थना!

महाराष्ट्र के घाटचोली क्षेत्र के इंदिरा नगर गाँव का हमारा एक विश्वासी श्रीकांत पिछले 12 वर्षों से बीमार था, परन्तु उन्होंने मसीह में अपने विश्वास को मजबूत बनाए रखा। एक दिन, एक साँप उस झोपड़ी में घुस आया जहाँ वह लेटा था और बिस्तर पर चढ़ गया, और अपना फन उसकी छाती पर फैला दिया। श्रीकांत हिलने-डुलने या मदद के लिए पुकारने में असमर्थ था, उन्होंने अपनी आँखें बंद कर लीं और मौन प्रार्थना में मसीह को पुकारा। चमत्कारिक रूप से, साँप, जो कुछ समय से खतरनाक था, ने अंततः अपना फन नीचे किया, बिस्तर से नीचे सरक गया, और अपने आप झोपड़ी से बाहर निकल गया। हलैलुय्याह!



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती ज्योत्सना देवी प्रशांत
श्रीमती मेश्राम कल्पना वालवी नेता जी
नेरवा : इम्मानुएल जेबा एवं
संगीता

स्तुति : पंगल गाँव में आयोजित एक दिवसीय विश्वासियों की सभा आशीषमय रही। थैरा गाँव के रुचि और विनोद के लिए जिन्होंने न केवल अपने परिवार के सदस्यों से उनके मसीही धर्म के लिए उत्पीड़न का सामना किया, बल्कि उन्हें भी विश्वास में लाने में सफल रहे। सौरानी गाँव के रोशनपाल के लिए जो कड़े विरोध के कारण पीछे हट गया था वह फिर से विश्वास में आ गया है। एक नए परिवार के लिए जो वहाँ व्याप्त भयानक स्थिति के बीच बरनू चर्च में आना शुरू कर दिया है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि बंगाल गाँव में व्याप्त तीव्र उत्पीड़न समाप्त हो। अतुल गाँव के ललित और बंगाल गाँव की सुमन के लिए प्रार्थना करें जो उत्पीड़न के डर से विश्वास से पीछे हट गए हैं, वे पुनः विश्वास में लौट आएँ। प्रार्थना करें कि थायरा, डुंगलिस और कोनंजारा गाँव के ग्रामीणों द्वारा ईसाइयों को निर्वासित करने का लिया गया निर्णय सफल न होने पाए। जो लोग बरनू गाँव के हमारे स्थानीय प्रचारक सिक्कंदुरई को उनके मसीही विश्वास के कारण गाँव खाली करने के लिए मजबूर करते हैं, वे पश्चाताप करें और अपना हृदय परिवर्तन करें।

रोहरू : जॉनसन शंकर एवं
जेबारानी

स्तुति : हमारे विश्वासी की बेटी सोनिया ने नीट परीक्षा में 577 अंक प्राप्त किए। सनल गाँव में दो

नए लोग विश्वास में आए हैं। शांतादेवी को विश्वासियों की प्रार्थना के द्वारा काले जादू और शैतानी बंधन से मुक्ति मिली। अभिषेक जो पहाड़ी इलाके में यात्रा करते समय अपने दोपहिया वाहन से गिर गया था, वह चमत्कारिक रूप से बच गया।

प्रार्थना : रोनाल गाँव के उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो अपने गाँव में महीने भर चलने वाले उत्सवों के कारण किसी भी मसीही सभा का आयोजन या उसमें भाग लेने में असमर्थ हैं, ताकि वे अपने विश्वास में दृढ़ रहें और अपने रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं को पार कर सकें। रेशमा को ईश्वरीय सात्वना मिलने के लिए प्रार्थना करें जिसने अपने प्यारे पिता को खो दिया है। नेपाली विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने टमाटर की अच्छी फसल काटने और अच्छी खरीद कीमत पाने के लिए अपनी खेती शुरू कर दी है।

करसोग : पवन कुमार एवं
प्रभाशिनी देवी

स्तुति : एक व्यक्ति ने अपने पापमय जीवन को छोड़कर मसीह में नया जीवन पाया। जीप टीम के सदस्यों द्वारा 8 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और सुसमाचार साहित्यों का वितरण किया गया। कोट गाँव में एक छोटा सा गृह प्रार्थना समूह की शुरुआत की गई है। सुषमा और रिया जो स्वयंसेवक के रूप में सेवा कर रही हैं।

प्रार्थना : प्रभु से प्रार्थना करें कि वह प्रतिबद्ध लोगों को स्थानीय प्रचारक के रूप में सेवा करने के लिए लोगों को खड़ा करे। करसोग गाँव के जयराम के लिए प्रार्थना करें ताकि वह पश्चाताप करके विश्वास में चर्च में वापस आए। पासंधपुर और ज्लेयार गाँव के विश्वासियों लिए प्रार्थना करें जो समाज के डर के कारण चर्च नहीं आ पा रहे हैं ताकि उन्हें आत्मिक बल मिले और डर के ऊपर विजय प्राप्त करें। देल्हर गाँव के कई लोगों के लिए प्रार्थना करें जहाँ हाल ही में सुसमाचारें प्रसारित किया है वे मसीह के प्रेम के स्वाद चखने पाएँ और प्रभु के ज्ञान में आगे बढ़ें।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सुधारानी भाई रवि

थानेधार :

जेबर्सन एवं गायत्री

स्तुति : स्थानीय सुसमाचार प्रचारकों के साथ मिलकर 6 गाँवों में प्रार्थना यात्रा निकाली गई। व्यक्तिगत सुसमाचार प्रचार के द्वारा लगभग 153 लोगों ने सुसमाचार सुना। द्वितीय चरण की सेवकाई 8 में आयोजित की गई और दो व्यक्तियों ने मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया। बीमारीके कारण चार दिनों से खाने में असमर्थ और कमजोर विमला को प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। प्रार्थना के बाद, वह अब खाने में सक्षम है। एक दिवसीय आध्यात्मिक सभा में 120 लोगों ने भाग लिया।

प्रार्थना : नियोजित प्रार्थना यात्राओं के माध्यम से सेम्बर, नागादर, गंडा और डिंगली गाँवों में सुसमाचार की घोषणा हो और उन स्थानों पर पवित्रात्मा का कार्य हो। किशमी मामी के बेटे के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो उसे चर्च में भाग लेने से रोक रहा है। अज्ञात बीमारी से पीड़ित वर्षीय अनमोल 6 की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो मुँह से खाने में असमर्थ है और ट्यूब के सहारे खा रहा है।

पंजाब

बुधलाड़ा :

संजीव आनंद एवं

प्रस्तुता पति;

प्रताप राहंग एवं रश्मि प्रभा

स्तुति : 5 नए व्यक्तियों ने सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास का अंगीकार किया और प्रभु यीशु को ग्रहण करके विश्वासियों के झुंड में शामिल हो गए। धनुक सामुदाय के 5 नए परिवार के लोग आराधना में आने लगे हैं। पारिवारिक कलह के कारण सोमा कौर द्वारा आत्महत्या करने के बाद हुए समस्या को लेकर सुलह और शांति सभा की बैठक हुई। गाँवों में आयोजित सत्संग कार्यक्रम में भाग लेने वालों के बीच 1450 सुसामचार साहित्यों का वितरण किया गया।

प्रार्थना : 18 वर्षीय हरप्रीत सिंह के लिए प्रार्थना करें जो अपने घर से भागा गया है वह सुरक्षित वापस घर आए। स्थानीय प्रचारकों के लिए प्रार्थना करें कि वे सुसामचार सेवा विस्तार के लिए आगे आएँ। नए धर्मपरिवर्तित रंजीत कौर के लिए प्रार्थना करें कि वह मिर्गी की बीमारी से चंगाई प्राप्त करें। विश्वास की स्वीकारोक्ति सभा बिना किसी रूकावट के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के लिए प्रार्थना करें। बठिंडा, संगत मंडी और बाई बागात क्षेत्र में सुसामचार प्रचार में आ रही आधाएँ दूर होने के लिए प्रार्थना करें।



जन्मदिन मुबारक

श्री मोसेस मुरलीधरन एस.
सुश्री आरती,
सुश्री जोशना जयरानी

जैतो : चित्तरंजन तांडी एवं तेजस्विता

स्तुति : पूजा और करमजीत कौर को बुरी आत्मा से मुक्ति मिली। पासक्काना गाँव में आयोजित वी.बी. एस. कार्यक्रम में 66 बच्चों ने भाग लिया और सुसमाचार सुना। जैतो गाँव की कलीसिया में आयोजित आत्माओं को जीतने की सभा में बहुत से ग्रामीणों ने भाग लिया सुसमाचार प्रचार के कार्य में भागी हुए। बहुत से विश्वासियों ने भाग लिया और खुद को साझा करने के लिए प्रतिबद्ध अपने दोस्तों के साथ खुशखबरी साझा करें और आत्मा विजेताओं के प्रशिक्षण में रिश्तेदार जैतो गांव के चर्च में शिविर आयोजित किया गया। अथर के विश्वास से भटके हुए परिवार के लोगों ने पश्चाताप किया और खुद को विश्वास में मजबूत किया।

प्रार्थना : लखविंदर सिंह के परिवार के सांतवाना के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने अपने परिवार के मुखिया को सड़क दुर्घटना के कारण खो दिया। गुरलाल सिंह के लिए प्रार्थना करें जो अपने बेटे और पत्नी को कलीसिया की आराधना में भाग लेने से रोकता है परमेश्वर के प्रेम के सवाद को चखने पाए। चर्च में नए आने वाले — जक्की सिंह, राजे सिंह, निर्मल सिंह, मनप्रीत कौर परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह में उद्धारकारी विश्वास में आगे बढ़ें। राजी को गुर्दे की संक्रमण से चंगाई मिले। आगामी सत्संग कार्यक्रम, युवा शिविर, महिला शिविर और कलीसिया के प्राचीनों की प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक होने के लिए प्रार्थना करें।

मोगा :

वाई. जस्टिन एवं सराल झांसी रानी

स्तुति : शराब के आदी हरदीप सिंह ने शराब पीना और बुरी आदतों को छोड़ दिया है और चर्च की आराधना में भाग ले रहा है। मिर्गी से पीड़ित सारा को प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिल रही है। करमजीत सिंह जिसके पैर के घाव से मवाद निकल रहा था निरन्तर प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। 6 स्थानों पर आयोजित वीबीएस कार्यक्रम में कई बच्चों ने भाग लिया।

प्रार्थना : सुसमाचार प्रचार के लिए असलाबाद, जकसाक और कोटली गाँवों में किये गए प्रयासों के फलदायी होने के लिए प्रार्थना करें। कोकरी गाँव की कोटली के पति के मन परिवर्तन के लिए प्रार्थना करें जो उसे आराधना में जोने से रोकता है वह उद्धार पाए। उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो काम पर जाते हैं रविवारीय आराधना को अपने जीवन में प्राथमिकता दें।

हस्तिाणा

बरवाला :

मिटू कुटुम एवं सुभ्रा बाग

स्तुति : गाँव की कलीसियाओं में आयोजित 5 अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला में लगभग 210 बच्चों ने भाग लिया भाग लिया और यीशु मसीह और उसके वचन को सीखा। कलीसिया का प्राचीन को सांस लेने में तकलीफ हुई तो अस्पताल में भर्ती किया गया और डाक्टरों से बड़े अस्पताल में ले जाने की सलाह दी, परन्तु जब विश्वासीगणों ने इकट्ठे होकर प्रार्थना की तो प्रभु ने उसे फिर से जीवन प्रदान किया। विश्वासियों के लिए एक आत्मा विजेता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि नियोजित विशेष सभाओं के लिए, युवा शिविर और आत्मा विजेताओं का प्रशिक्षण फलदायी तरीके से संचालित किया जाए। परवल क्षेत्र के संजना गाँव में शुक्रवार रात की उपवास प्रार्थना सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सके। जितेन्द्रसिंह को क्षय रोग से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। सेकपुर गाँव की गीता को परमेश्वर संतान की आशीष प्रदान करें।



जन्मदिन मुबारक

श्री एंड्रयूज जवाहर

श्रीमती हेपसिबा एंड्रयूज

श्रीमती महला शीलाबेन पड़वी सोमालिया

किच्छा :

बिभाभा पाणि एवं बिथिका पाणि

स्तुति : बीमारी के कारण ऐक नया विश्वासी बलवन्दिर सिंह के निधन के बावजूद उनका परिवार प्रभु पर विश्वास और भरोसा रखना जारी रखा। बरथापुर और सिमालियन गाँव में सुसमाचार के निमित्त द्वार खुला। निरन्तर प्रार्थना के कारण लकवा से पीड़ित सतनाम कौर को चंगाई कमल रही है। अमर सिंह और रिंग के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो सुसमाचार में उत्सुकता दिखाते हैं।

प्रार्थना : जगविंदर सिंह के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें जो जिगर में संक्रमण से पीड़ित हैं। संजना गांव की निशा के लिए प्रार्थना सभा की संचालन के लिए अपना द्वार खोले। किच्छा तालुका के 95 गाँवों के लिए प्रार्थना करें कि उनके लिए घोषणा की गई सुसमाचार के आदेश का पालन करें और इन स्थानों पर कलीसियों की स्थापना किया जा सके। इन क्षेत्रों में बहुसंख्यक बहारी समुदाय के बीच से स्थानीय प्रचारकों के उत्थान के लिए प्रार्थना करें।

दिल्ली

पटपड़गंज : जॉन डेविडसन एवं

एस्तेर प्रिस्किल्ला

स्तुति : मृत्यु शैख्या पर पड़ी हुई एक 11 वर्षीय लड़की एगड़ा को परमेश्वर ने प्रार्थना के द्वारा चंगाई प्रदान की। शारिका एक युवा महिला जो किडनी स्टोन की समस्या से जूझ रही थी सर्जरी और प्रार्थना के द्वारा पूरी तरह से चंगाई पायी। परमेश्वर ने अपनी दया से ईशा को सामान्य प्रसव करने में मदद की। उससे पहले उच्च रक्तचाप के कारण डॉक्टरों ने सिजेरियन करवाने का प्रयास किया था। परमेश्वर ने हमारे रोहिणी निवासी विश्वासी कान्हा की बेटी को बिना किसी चोट के बचाया जो सीढ़ी से गिर गई थी। एनएसएम नामक संगठन द्वारा एचआईवी पीड़ित बच्चों के लिए संचालित वी.बी.एस. कार्यक्रम में 25 बच्चों ने भाग लिया और सुसमाचार सुना।

प्रार्थना : पिंकी संजय कुमार की सांत्वना और शांति के लिए प्रार्थना करें जो उसकी बड़ी बहन की मृत्यु के कारण बहुत उदास हैं। दो वर्षों से बीतसर मल्लिका पिछले 2 वर्षों से अभी अच्छी है। 13 वर्षीय अन्निका जो हमेशा टाइफाइड से पीड़ित रहती है और पॉलराज और पवन जो गुर्दे की पत्थरी से पीड़ित हैं उनकी चंगाई के लिए प्रार्थना करें। हमारे विश्वासी युवाओं के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें योग्य जीवन साथी प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि युवक दल पवित्र जीवन जीने की खोज करें। इस क्षेत्र और बुजुर्गों, स्वयंसेवकों और विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें के वे सेवकाई में सहायता करें।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती जोसेफिन शीबा जीवानंदन

उत्तराखंड

मलधनचौर : शिशु पाल एवं अनीता

स्तुति : 6 व्यक्तियों ने यीशु मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया। 6 गाँवों में आयोजित वी.बी.एस. कार्यक्रम में 250 बच्चों ने भाग लिया। जोलगापुर और जातसर क्षेत्र में सेवकाई को फिर से आरम्भ कर दिया गया है। दीपा, अंजल और जगवीरसिंह को बुरी आत्माओं के बन्धन से छुटकारा मिला।

प्रार्थना : पटसम और डुमासासम क्षेत्रों में चलाए जा रहे छोटे प्रार्थना समूहों के लिए प्रार्थना करें कि आराधना केन्द्रों में परिवर्तित किया जा सके। राजावन कौर को उसके सिर में मौजूद फोड़े से चंगाई मिले। कविदास, सर्गुथा, कांड, तुलाराम, चंद्रा, इंद्रजीत, सोनिया, मीनाक्षी और इंद्रपाल के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना समूहों में प्रार्थना में भाग लेने वालों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास का अंगीकार करने में आने वाली सारी रुकावटों को दूर कर सकें।

राजस्थान

तपुकारा : जॉनसन तमिलसेल्वन (सेवानिवृत्त) एवं राजम्मल जॉनसन;
डेविड मार्वेलराज एवं जेबासिली

स्तुति : परमेश्वर ने उर्मिला का बेटा को बिजली का झटका की खतरा से बचाया। परमेश्वर ने कलीसिया के प्राचीन हंसराज की सहायता से वाल्मीकि लोगों को सुसामचार प्रचार करने में हमारी मदद की। परमेश्वर की अनुग्रह से युवाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम सुचारु रूप से चल रहा है। परमेश्वर ने हमारे चर्च के एल्डर हरजीत

के बेटे को प्रार्थना के उत्तर में अच्छी नौकरी कमलने में मदद की। श्वेता को बिच्छू के काटने से चंगाई देने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना : काजल की सुरक्षित और सामान्य प्रसव के लिए प्रार्थना करें। कि को नरक मिले सुरक्षित और सामान्य प्रसव के लिए, पाउलो कौर के लिए प्रार्थना करें कि उनके परिवार की ओर से आ रही सारी बाधाएँ दूर हों और प्रभु को ग्रहण करे। प्रार्थना करें कि परमेश्वर हमारे कलीसिया के विश्वासी युवाओं के लिए योग्य जीवन साथी प्रदान करे। हमारे अलवर बाल भवन में पढ़ने वाले बच्चों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपनी पढ़ाई को जारी रखें और विकास की ओर आगे बढ़ें। सतीश की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें जो अक्सर दुर्घटनाओं का शिकार होता है और उसे नई स्थायी नौकरी प्राप्त हो।

उद्धार का निःशुल्क दान!

महाराष्ट्र के सुरगना मिशन क्षेत्र के दुधवेल गाँव की वसंतबाई लंबे समय से एक बुरी आत्मा का शिकार थी। वह अपने पति के साथ साथ गाँव के लोगों को भी बहुत परेशान करती थी। उनके पति ने उसको दुष्टात्मा से उसको छुटकारा दिलाने के लिए कई स्थानों पर नत्रले गया और बहुत से रुपये खर्च किए और मुर्गियों और बकरो की बलि चढ़ायी, परन्तु सब कुछ व्यर्थ ही हुआ। अंत में उनको एक स्थानीय सेवक ने बताया कि वह हमारे मियानरी के पास प्रार्थना करवाने के लिए ले आए। उसकी समस्या बढ़ती ही जा रही थी। वसंताबाई के पति ने दान के रूप में मिशनरी के लिए एक बड़ा बकरा ले आया। हालाँकि, हमारे मिशनरी ने उसको उद्धार देने वाला यीशु मसीह के बारे में उसको बताया। जैसे ही हमारे मिशनरी ने उसके लिए प्रार्थना की, प्रभु ने चमत्कार किया और दुष्ट आत्मा ने उसे छोड़ दिया। अंततः वह अपने बंधन से मुक्त हो गई। आज उसका परिवार गाँव के अन्य लोगों को मसीह के बारे में गवाही बताता है। परमेश्वर की महिमा हो।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सनमता मनोहर ठाणे,

श्री ओमप्रकाश

संगारिया :

अमीरकांत दिगल एवं निरोला

स्तुति : मिशनरियों और विश्वासीगणों को परमेश्वर ने भीषण गर्मी से सुरक्षित रखा। परमेश्वर ने रमन के परिवार में शांति बहाल की जो निरन्तर प्रार्थना में भाग लेता है। नगराना गाँव की सुमन को प्रार्थनाओं के द्वारा 7 वर्षों के बाद संतान सुख मिला। सोनू और उनके पति हर रविवार को कलीसियाई आराधना में भाग ले रहे हैं। परमेश्वर की स्तुति हो।

प्रार्थना : 16 वर्षीय अरमान की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो उच्च रक्तचाप और शर्करा से प्रभावित है। गरदेव सिंह, कुलदीप जशवीर, मंगू और संदीप को नशीली दवाओं की लत से छुटकारा मिले। नगराना में रहने वाले 90 प्रतिशत मजदूरी सिक्ख शराब के आदी हैं परमेश्वर से प्रार्थना करें कि उन्हें इससे मुक्ति मिले। उस स्थान पर सुसमाचार का काम अच्छे परिणाम को लेकर आए। नागराना गाँव में चर्च निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि प्राप्त होने के लिए प्रार्थना करें। शारीरिक रूप से असमर्थ रमन की पत्नी के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर समर्पित स्थानीय प्रचारकों को तैयार करे। विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने जीवन में यीशु को थामे रहें।

उदयपुर : आशीष कुमार एवं सविता देवी

स्तुति : दो गाँव के 170 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया और वे यीशु मसीह को जाने। 5 लोगों ने यीशु मसीह पर अपने विश्वास का अंगीकार किया और कलीसिया में शामिल हुए।

मित्र समाचार | 29 | अगस्त 2024

टीबी से पीड़ित शंकर और एनीमिया और गर्भाशय में सिस्ट से पीड़ित सुमित्रा को परमेश्वर ने प्रार्थना के माध्यम से चंगाई प्रदान की। परमेश्वर ने प्रांका रमीला और निशा को बुरी आत्माओं से छुटकारा प्रदान किया। 8 स्थानों पर बिना किसी बाधा के नियमित रूप से आराधना संचालित की जाती है। परमेश्वर की स्तुति हो।

प्रार्थना : प्रभुलाल, जालमजी, लक्ष्मण, रोशन, बेरू और उनके पूरे परिवार के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें ऋण और नशीली दवाओं की लत से छुटकारा प्रदान करे। सौनी, कमला और जामडू को गर्भाशय की समस्या से चंगाई मिले। परमेश्वर गुड़िया, सीमा और शंभूलाल को बुरी आत्माओं के बन्धन से छुटकारा प्रदान करे। सीताबाई को गुर्दे की पथरी की समस्या से, बेरू और बरूगी को पेट में मौजूद सिस्ट से और गंगा, प्रकाशी को घुटने की दर्द से चंगाई मिले।

पहले प्रभु की खोज करें!

हरियाणा राज्य के बाजपुर मिशन क्षेत्र के इटावा गाँव में गुरप्रीत सिंहनामक एक अच्छा विश्वासी रहता है। उसने उसके घर और उसके रहने से संबंधित सब बातों में परमेश्वर को प्रथम स्थान दिया। पिछले महीने की रविवार को उनका एक गाय जो गर्भवती थी, प्रसव पीड़ा में आ गई। क्योंकि मवेशी पालन आजीविका में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है वह उत्सुकता से बछड़े के जन्म का इंतजार कर रहा था। हालाँकि बछड़ा पैदा भी हुआ, परन्तु वह बेजान बछड़े को देखकर हताश और आश्चर्यचकित हो गया कि अब वह क्या करे। उसने परमेश्वर की आराधना करने का फैसला लिया और चर्च में जाने को पहली प्राथमिकता दी। इस रविवार को उन्होंने प्रभु की आराधना की और अपनी प्रार्थना में मृत बछड़े के लिए भी प्रार्थना की। जब वह अपना घर लौटा, तो देखकर यकीन ही नहीं हुआ कि बछड़ा अपन पैरों पर खड़ा है और माँ का दूध पी रहा है तथा माँ गाय अपने बच्चे को प्यार से चाट रही है। गुरप्रीत वहीं घुटनों के बल आ गया और प्रभु को उनके उपकार के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने अपनी गवाही ग्रामीणों को दी और परमेश्वर को धन्यवाद दिया।



उत्तर प्रदेश

भरथना : एस. राजन एवं जेबामलर

स्तुति : 6 व्यक्तियों ने यीशु मसीह को अपना जीवन में व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। रासिपुरा गाँव में एक नई आराधना समूह की शुरुआत की गई। मिलक चर्च मण्डली की 10वीं वर्षगाँठ बड़े हर्ष-उल्लास के साथ मनाया गया। आयोजित अवकाशकालीन बाइबल पाठशाला में कई गैर-मसीही बच्चों ने में भाग लिया और आशीषित हुए। पेट के ट्यूमर से पीड़ित पाल्पी और साधुनाथ एको चंगाई मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि मेहाना चर्च की आराधना जल्द से जल्द पुनः शुरू किया जाए। प्रार्थना करें कि विश्वासीगण उत्पीड़न के खतरों के बीच साहसी बनें और कलीयाई सेवाओं में निसमित रूप से भाग लें। प्रभु दिनेश-ममता और नीरज-अनुराधा के परिवार को संतान की आशीष प्रदान करें जो लगातार सुतान प्राप्ति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। गांधी नगर के धर्मेन्द्र परिवार के सांतवाना के लिए प्रार्थना करें जिनके 12 वर्षीय पुत्र का निधन हो गया। वैसोली गाँव की अर्थी को खून की उल्टी की बीमारी से चंगाई मिले।

सिकंदरा : पाचिया भाई एवं सविता बेन

स्तुति : 5 व्यक्तियों ने अपने पुराने पापमय जीवन को त्यागकर नया जीवन स्वीकार किया जो केवल मसीह ही दे सकता है। 7 स्थानों पर अवकाशकालीन बाइबल पाठशाला आयोजित की गई और कई गैर-मसीही बच्चों ने भाग लिया

और अपने जीवन में यीशु को जानने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सिकंदरा और पालकारुमो संचालित की जा रही बाइबल अध्ययन के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिसके द्वारा विश्वासीगण वचन को स्पष्ट रूप से समझने में सहायता मिलती है। ठाकुर प्रसाद सफल सर्जरी के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिन्हें दोपहिया वाहन से गिरने के बाद उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लगी थी।

प्रार्थना : सैनीपुर, लिंगवारा और राजपुर गाँवों में नए आराधना समूह के शुरू होने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें। प्रार्थना कि खुशबू द्वारा भारतीय नौसेना में शामिल होने की कोशिश सफल हो। जितेन्द्र और आकाश के परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि प्रभु यीशु में उनका विश्वास बढ़े और मसीह को अपना उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करें और सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास का अंगीकार करें। सिकन्दरा चर्च की भूमि का पंजीरण बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक होने पाए।

निकट और दूर का परमेश्वर!

अस्मिता बेन एक विवाहित युवती है जो गुजरात के बोड़ेली मिशन क्षेत्र के एक गाँव में निवास करती है। अच्छी सेहत का आनंद लेने के बावजूद, एक दिन उसे अचानक सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई और वह बेहोश होकर गिर पड़ी। वह इस घटना से बहुत डरी हुई थी और उसके परिवार के लोगों ने उसका घरेलू इलाज किया परन्तु वह होश में नहीं आई। उसके परिवार के सदस्यों का विलाप सुनकर पड़ोस के विश्वासीगण उसके लिए प्रार्थना करने लगे। स्थानीय सेवक से फोन पर संपर्क किया, और चूँकि वह गाँव से आने में समय लग रहा था, वे अस्मिता को उस स्थान पर ले गए जहाँ स्थानीय सेवक रहता है जो लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर है। वे स्थानीय सेवक और अन्य विश्वासियों के साथ मिलकर प्रार्थना करने लगे। प्रभु ने उनके विश्वास की प्रार्थना को सुनी विश्वास और लगभग 2 घंटे के बाद, अस्मिता ने फिर से सांस लेना शुरू की। वह पुनर्जीवित होकर उठ गई और वहाँ एकत्र सभी लोगों ने परमेश्वर की महिमा की।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती ज्योति मैरी जॉन स्टीफन
श्री मतियास मालतो

जलौन :

राकेश रतिलाल एवं
रेशमा मारुति

स्तुति : 4 व्यक्तियों ने अपनी सार्वजनिक कार्यक्रम में मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया विश्वास के समूह में मिल गए। कासिकेरा, मैंग्रोज और कोरमहावा गाँवों में आयोजित वी.बी.एस. कार्यक्रम में 88 बच्चों ने भाग लिया और यीशु मसीह के बारे में जानकर आशीषित हुए। परमेश्वर का अनुग्रह ने हमें मंग्रोस गाँव में बिना किसी परेशानी के वी.बी.एस. कार्यक्रम चलाने में सक्षम बनाया जो पहले से सुसमाचार प्रचार करने और आराधना तथा प्रार्थना शुरू करने के लिए द्वार बन्द था। 250 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया और उन लोगों के बीच में 15 नए नियम की पुस्तकें वितरित की गईं।

प्रार्थना : हमारे स्थानीय सेवक को उनकी बीमारी से चंगाई मिले और लोगों को सुसमाचार सुनाने में सक्षम हो और परमेश्वर की सेवकाई को जारी रखे। वीबीएस में भी शामिल हुए माता-पिता के लिए प्रार्थना करें कि वे भी मसीह को जानें। प्रार्थना करें कि आगामी सुसमाचार प्रचार सेवा सफल और फलदायी हो।

बिहार

छत्तापुर : रवि राठौड़ एवं सुधा रानीय
पवार दिनेश भाई एवं भारुडे

स्तुति : अमित को महादीप पुर गाँव में गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त हुआ। 5 लोगों ने मसीह को स्वीकार किया। परमेश्वर ने राम विलास थासुम और उनकी पत्नी को बाइक दुर्घटना में किसी प्रकार की बड़ी हानि के बिना बचाया। परमेश्वर ने सूरज को घर बनाने के लिए जमीन प्रदान की जिसके लिए वह लंबे समय से प्रयास कर रहा था। मसकन गाँव के विश्वासीगण कई वर्षों से रोजगार की खोज में पलायन करते थे, अब परमेश्वर ने उन्हें अपना खुद का व्यवसाय करने में सहायता प्रदान की है। परमेश्वर की महिमा हो।

प्रार्थना : परिवार के लोगों की सांतवना के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने हमारे विश्वासी पोली देवी को खो दिया। मसकन गाँ कि लोग हमारे विश्वासी गोपाल साड़ा का विरोध कर रहे हैं उनके पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें। नेपाल से आये लोग हमारे विश्वासियों को गलत शिक्षा के द्वारा भटकाने का प्रयास कर रहे हैं, घार्थना कि हमारे विश्वासीगण प्रभु में मजबूत हों और विश्वास में आगे बढ़ें। बिष्णु साड़ा की पत्नी के शीघ्र चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिसके सिर पर दुर्घटना के कारण चोट लगी थी। किशन की बहु के लिए प्रार्थना करें जो कुछ समस्याओं के कारण स्वयं को अलग हुई थी वह वापस आकर शांतिपूर्वक परिवार के साथ रहे। हरिहर गाँव का मोहन मंडल जो हमारे विश्वासियों का विरोध करता है, वह मन फिराए और प्रभु को अपना उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करे। सुकुमारी देवी का पुत्र और बाबुलाल की पत्नी के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो उन्हें आराधना में भाग लेने से रोकते हैं, परमेश्वर उन्हें छूए और परमेश्वर के प्रेम को जानें।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती ज्ञानाशेखर जॉन डेविड
श्री अशोक नायक

झारखंड

अमलागाछी :

गजेन सम्प्रामेरी एवं
रोशिला मुसाहरी

स्तुति : परमेश्वर ने मिशनरियों और विश्वासियों को भीषण गर्मी, दुर्घटनाओं, साँप के काटने और बीमारियों से बचाया। कपिल बहरिया का ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी सफलपूर्वक हुआ। जब एक साँप एक मेंढ़क का पीछा करते हुए रविवार के कदन रविवारीय पाठयाला में बैठे बच्चों के पास आया तो परमेश्वर ने सभी अच्चों को साँप से बचा लिया।

प्रार्थना : गैर-विश्वासी मालतो लोगों के बीच कायम बाल विवाह और तलाक के उन्मूलन के लिए प्रार्थना करें। बारिश के कारण पीने के पानी की कमी हो गई है प्रार्थना करें कि कृषि कार्य के लिए परमेश्वर अच्छी वर्षा प्रदान करे। कोटा, केबो और सनडांगा गाँव में हो रहे विरोध दूर होने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि परमेश्वर तनियामारा और तारणी पहाड़ गाँव के विश्वासियों के बीच सद्भाव और एकता बहाल करे। कोटा, केबू, सनपहाड़, तालमी, कोट्टा बोगोरा और कालुबारा गाँव में चर्च

निर्माण के लिए प्रार्थना करें। तुलाली बहरीन को पेट दर्द से और 6 महीने की मरियम बिहारी को उसकी बीमारी से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें।

बाड़ीटोला :

मिज्यो किस्कू एवं
सेलिना हंसदक

स्तुति : 7 व्यक्तियों को उनकी आध्यात्मिक अंधकार से जीवन की ज्योति की ओर आ गए हैं और प्रभु यीशु मसीह पर अपने विश्वास का अंगीकार किया है। हमारे छात्रावास की 8 वर्षीय लड़की सरिता सोरन को दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिली। जीप दल के द्वारा 10 गाँवों में सुसमाचार की घोषणा की गई। जीप मंत्रालय टीम, 5 स्थानों पर आयोजित वी.बी.एस. कार्यक्रम में 176 बच्चों ने भाग लिया और सुसमाचार सुना। पलापुर गाँव में चर्च के मरम्मत का कार्य किया गया।

प्रार्थना : हिरणपुर कलीसिया के प्राचीन प्रेमलता के बहु की स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करें जो लकवा से पीड़ित है। लोकाई गाँव का हेमरोम के पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थन करें। थिगिर लांगी गाँव के विश्वासियों के लिए प्रार्थन करें जो दूसरों को सुसामचार सुनाने से डरते हैं वे हिम्मत के साथ दूसरों को सुसामचार सुनाएँ। गलत आरोपों के कारण न्यायिक हिरासत में बंद गोपालडी कलीसिया के प्रचीन डॉ. सरकार के लिए प्रार्थना करें कि वह शीघ्र ही जेल से बाहर आए। हरसंध गांव के चर्च के जमीन मालिक राप्पल मुर्मू और दानियेल के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो विश्वासियों को विश्वास से भ्रमित करते हैं।



जन्मदिन मुबारक

श्री चार्ल्स चेलाकुमार
श्री धुरुबाराज बेबर्ता
श्रीमती सोफिया डैनियल राजमणि

लालमटिया :

अमारेनद्रन एवं गौरीअम्मा

स्तुति : 18 व्यक्तियों ने अपना पापमय जीवन को छोड़कर मसीह को अपना यत्किगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। परमेश्वर ने हमें तीन गाँवों में सुसमाचार प्रचार करने के लिए सक्षम बनाया। 10 गाँवों में जीज़स फिल्म प्रदर्शित किया गया। लगभग 1262 सुसमाचार साहित्य और 80 नये नियम की पुस्तकें वितरित की गईं। सोनालाल सोरेन के ऊपर जब पड़ गिर गया था तो परमेश्वर ने उसको बचाया। सुमन्था के रसोईघर में जब खाना पकाने के ईंधन में आग लग गई तो परमेश्वर ने उन्हें आग बुझाने में सहायता की और किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ। जब विश्वासियों पालगामी गाँव का राजेश को रात के समय में सड़क पर बेहोश पड़ा देखा और विश्वासियों ने प्रार्थना की तब प्रभु ने राजेश को चंगाई प्रदान की।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि जरिजारी, अमरपुर लियाथारी और मधरहाज क्षेत्रों में आराधना सभा शुरू हो सके। गलत इंजेक्शन के कारण आँखों की रोशनी खोई पलपीड़ा गाँव की परीत क लिए प्रार्थना करें कि वह अपनी

रोशनी को फिर से वापस प्राप्त कर सके। गलतफहमी के कारण विवाह के 6 महीने के बाद से अलग रह रहे निसुकुमार के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि उनके बीच सुलह हो और एक साथ रहने पाएँ। कमलथारी गाँव में हो रहे विरोध दूर होने के लिए प्रार्थना करें। रामकाल के गाँव के सभी विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे कलीसिया के सभी कार्यक्रमों में उत्साह के साथ भाग लें।

माण्ड्रो :

हिजाम कैनेडी सिंह एवं थोइबी चानू

स्तुति : 28 व्यक्तियों ने सार्वजनिक रूप से मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया और प्रभु यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण किया। रामपारी और परडोला गाँव में चर्च के निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि का प्रावधान हेतु परमेश्वर को धन्यवाद दें। रॉबर्ट सोरेन की सम्पूर्ण चंगाई के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो एक दुर्घटना में घायल हुआ था। काजीरिगा कलीसिया के प्राचीन की पत्नी का सफल सर्जरी के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि आगामी कलीसिया के अगुवों, युवा शिविर, जीज़स फिल्म स्क्रीनिंग और सुसमाचार प्रचार कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया जाए। पलाजार और माही गाँव का निर्माणाधीन चर्च का कार्य बिना किसी बाधा के आगे बढ़े। पक्षाघात से प्रभावित टेरेसा की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। विश्वासियों के प्रचलित गलत शिक्षाओं से सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने विश्वास और मसीह में स्थिर रहें।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती हेपसीबा अल्बर्ट, श्रीमती झाँसी रॉबिन्सन
श्रीमती मैग्डलीन ग्रेस इसाहक
श्रीमती दुलंती रियांग नाबा सिंह

ओ.टी.सी. एवं एल.टी.आई. कैराबानी :
वाड़ेकर दिलीप भाई एवं
भारती बेन

स्तुति : छोटे प्रार्थना समूह के अगुवों का चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित की गई और 65 छोटे प्रार्थना समूह के अगुवों को प्रशिक्षित किया गया। वर्ष 2023 में नामांकित 25 छात्र अब वे अपना दूसरा वर्ष पूरा कर रहे हैं और वर्ष 2025 तक में अपनी प्रशिक्षण को पूरा करेंगे। प्रशिक्षण पूरा होने पर इस दल के लोग लोगों को मसीह के पास लाने के लिए मिशन क्षेत्र में जाएंगे और खुद को एक योद्धा के रूप में कार्य करेंगे।

प्रार्थना : प्रार्थना को कि छोटे प्रार्थना समूह के द्वारा सब प्रकार के चुपैठियों पर विजय प्राप्त करें और सुसमाचार को सरल और सूक्ष्म तरीके से लोगों तक पहुँचा सकें। समूह के नेताओं के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित किया जा सके। इस वर्ष नए लागों को ओटीसी में शामिल किया जाए। उन वरिष्ठ मिशनरियों के ऊपर पवित्र आत्मा के अभिषेक के लिए प्रार्थना करें जो प्रशिक्षण सत्रों का नेतृत्व करते हैं।

कथुवा एवं एल.टी.आई. :

सुंदर दुरई एवं मेलबिन रेजिनी

स्तुति : 32 व्यक्तियों ने अपने जीवन में परिवर्तन का अनुभव किया। जोर्डिंगा चर्च मण्डली के द्वारा आयोजित सुसमाचार प्रचार सभा में लगभग 5000 लोगों ने सुसमाचार सुना। लगभग 150 संडे स्कूल शिक्षकों ने बच्चों के बीच सेवा करने

के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किए। परमेश्वर की अनुग्रह से बोंडाला चर्च का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। परमेश्वर ने भरपूर बारिश प्रदान किया जिससे लोगों को जल संकट की स्थिति से छुटकारा मिला।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि परमेश्वर अब्राहम सोरेन की प्रार्थनाएँ का उत्तर दे जो वैवाहिक जीवन के 12 वर्षों के बाद भी निःसंतान होने के कारण बहुत निराश हैं। प्रार्थना करें कि परमेश्वर छोटा घाघरी और सुची गाँव की मण्डलियों के विश्वासियों के मन में आत्माओं को जीतने के लिए उनके हृदयों में उत्साह और जोश भर दे। जोर्डिंगा मण्डली के सुसमाचार प्रचार दल पर परमेश्वर की आशीष के लिए प्रार्थना करें कि वे बहुत से लोगों को उत्साहपूर्वक सुसमाचार सुना सकें। आगामी स्वयंसेवकों का परिवार शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

पथना एवं बरहरवा :

पीटर प्रभाकरन एवं विमला;
अरुणाबेन, विंग नेई सियान

स्तुति : 13 लोगों ने अपने पापमय जीवन से मन फिराया और यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता ग्रहण किया और विश्वासियों के झुंड में शामिल हो गए। 14 स्थानों पर बिना सिरी बाधा के जीजस फिल्म स्क्रीनिंग की गई। सोकल गाँव में आयोजित वी.बी.एस. कार्यक्रम में 35 बच्चों ने भाग लिया और बाइबल हीरों के बारे में सीखा। उत्साहपूर्ण प्रार्थना के उत्तर में महादेवपुर का बाबूजी मरांडी ने सर्प दंश से गंभीर रूप से बीमार की स्थिति में नया जीवन पाया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि थोकाजीर चर्च के बारे में फैली गलत अफवाहें दूर हो और इस कलीसिया में फिर से आराधना सभा की शुरुआत की जा सके। शिमलामाप गाँव की कलीसिया में आराधना का संचालन के लिए एक बड़ा घर भाड़े पर मिलने के लिए प्रार्थना करें जो वर्तमान में वर्षा के कारण कठिनाईयों का सामना कर रही है। मीरु हसदा कोक्षय रोग से चंगाई मिले। मार्शल हंसदा के पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो पेड़ से गिरने के कारण चोट लगी थी और उसकी बांह टूट गई थी।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती मैरी सेबेस्टाइन

लिट्टीपाड़ा :

एबेनेजर सामुएल एवं मेबल

स्तुति : 6 लोगों ने यीशु मसीह को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया और किया एक सार्वजनिक स्वीकारोक्ति कार्यक्रम में अपने विश्वास को प्रकट किया। 3 स्थानों पर आयोजित वी.बी.एस. कार्यक्रम में 120 बच्चों ने हिस्सा लिया और सुसमाचार की सच्चाई को सीखा। दुष्टात्मा ग्रस्त महिला मंजिल हेम्ब्रोम, जो दूसरों को चोट पहुँचाती थी, उसके भाई ने उसे चर्च में लेकर आया और जब विश्वासियों उनके लिए प्रार्थना की तो परमेश्वर ने उसको दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा प्रदान किया। मानसी हेम्ब्रोम जो अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा था विश्वासियों की प्रार्थनाके द्वारा फिर से नयाजीवन पाया।

प्रार्थना : पंडोला गाँव का एक युवा लड़का जोएल के पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो मिर्गी से पीड़ित है। कुमारपाजा गाँव में होने वाली आध्यात्मिक जागृति सभा की सफलता के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि परमेश्वर विश्वासियों अच्छी वर्षा प्रदान करे ताकि वे अच्छी फसल काटने पाएँ।

टेलो : अरुलानंदम एवं लिसा अरुल

स्तुति : 19 लोगों ने अपने पापों को स्वीकार करके यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया। बिशप द्वारा 77 लड़के और लड़कियों का दृढ़ीकरण किया गया और वे

मसीह में अपने उद्धार का निश्चय को प्राप्त किए। चर्च के अगुवों का पारिवारिक शिविर में 140 व्यक्तियों ने परिवार के रूप में भाग लिया और मसीह के लिए जीवन बिताने और दूसरों को मसीह के वास लाने हेतु अपने अपने जीवन को समर्पित किए।

प्रार्थना : ओरपट्टल, सिरिया, सरसा और मंजिवा क्षेत्रों में फैली हैजा के प्रकोप की राकथाम के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि अस्थायी रूप से बंद चिरिया गाँव चर्च का निर्माण कार्य पुनः शुरू किया जा सके। चर्च भूमि का विात्रवाद सौहार्दपूर्ण ढंग से हल किया जाए। सुमी हेम्ब्रोम को क्षय रोग से, संधो मुर्मू और गुप्पागे को संक्रमण से पूरी तरह चंगाई मिले। विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि विधर्मी शिक्षाओं से प्रभावित न हों, परमेयपी के वचन पर आधारित शिक्षा और विश्वास में दृढ़ रहें।

प्रार्थना के लिए निमंत्रण

जोनाथान हेम्ब्रोम पश्चिम बंगाल के गंगापुर मिशन क्षेत्र के डोलपारी गाँव का एक अच्छा विश्वसी है। वह अपने गाँव के सभी लोगों के सामने गवाही का जीवन बिताया। उसने उन लोगों लिए प्रार्थना की जिन्हें प्रार्थना की आवश्यकता थी। इस कारण उन्हें अपने गाँव के असामाजिक तत्वों द्वारा एक दुश्मन के रूप में देखा जाता था। जोनाथान की पत्नी जो बीमार रहने के कारण लम्बे समय से संघर्ष कर रही थी अंततः उनकी मृत्यु हो गई और विश्वासियों एवं गाँव वालों के द्वारा मसीही रीति के अनुसार उसका अंतिम संस्कार किया गया। परन्तु असामाजिक तत्वों ने उनकी दिवंगत पत्नी के परिवार वालों को भड़काया और उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने का दावा करते हुए कहा कि उसने अपनी ही पत्नी की हत्या कर दी। वर्तमान में जोनाथान इस झूठे मामले में न्यायिक हिरासत में है। कृपया प्रार्थना करें कि सत्य की विजय हो और जोनाथान अबालत की ओर से न्याय दिया जाना जेल से उनका रिहाई हो।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती नगाई थियानचिंग जांगखोलुन

पश्चिम बंगाल

पकुआहाट :

**रामकृष्ण एलिजा एवं
अंजलि देवी**

स्तुति : 2 व्यक्तियों ने मसीह यीशु में अपना विश्वास कबूल किया नया जीवन प्राप्त किया। निमथगा में एक अस्थायी प्रार्थना कक्ष गाँव जहाँ अभी भी विरोध जारी है सुसमाचार प्रचार के लिए बनाया गया है। बोडुवा और सिटलिनी गाँव में नये उपासना समूह स्थापित की गई है। साजन हांसदा का परिवार ने स्वयं को फिर से मसीही विश्वास में दृढ़ किया है। परमेश्वर ने सैजीत मुर्मू और राजा टुडू को स्वयं के घरों का निर्माण करने में सक्षम बनाया।

प्रार्थना : नामधा गाँव के लोगों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने दो साल पहले हमारे मिशनरियों के ऊपर हमला किया था वे मसीह के उद्धार को प्राप्त करें। जेबा हेम्ब्रोम की दिव्य सात्वना के लिए प्रार्थना करें जिसने अपनी दोनों बेटियों को खो दिया था और उसी महीन में उनकी सास और उसकी पोती की भी मृत्यु हो गई। उथर, कर्मा, उलाहुर और साल्पना चर्चों के लिए प्रार्थना करें कि आध्यात्मिक

जागृति आने पाए। मोंगोल बेसरा और बसंती हांसदा के बीच व्याप्त गलतफहमी दूर होने और उनके बीच में शांति बहाल होने के लिए प्रार्थना करें। सप्पोल हेम्ब्रोम को ब्रेन ट्यूमर से चंगाई मिले। जिगर की बीमारी से पीड़ित सुजीत किस्कू को चंगाई मिले।

इटाहार :

अस्ताबन आदित्य कुमार

लिम्मा एवं मानिनी

स्तुति : 6 व्यक्तियों ने मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार किया और नया जीवन प्राप्त किया। पक्कुर कुडू गाँव में आयोजित तीन दिवसीय 'धर्म सभा' बहुत से विश्वासियों ने भाग लिया और आशीषित हुए। पूरी रात उपवास प्रार्थना सभा में 25 विश्वासियों ने भाग लिया और अपने पड़ोसियों के उद्धार के लिए प्रार्थना की। सिद्धी से गिरने के कारण टूटे हुए बाँह से डुम्सी को चंगाई मिली।

प्रार्थना : एलाडुकडू के लोगों के लिए, उदयपुर, नेकलकटु और जोको कडू गाँव के लोगों के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार में रुचि लेते हैं, ताकि वे मसीह की ओर आकर्षित हों और उसे व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करें। प्रार्थना करें कि परमेश्वर स्थानीय सेवक सुजान हेमरोम और ठक्कुर बेसरा एवं सोनाली को संतान की आशीष प्रदान करे। आगामी महिला सभा और एल्डरर्स लोगों की सभा की सफलता के लिए प्रार्थना करें।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती गीता केनेथ
श्रीमती मेलबिन रेगिनी सुंदर,
श्री अखिलेश कुमार
श्रीमती मैरी नेंगनेइकिम खोंगसई

करनडिही :

कैथेड्रिनवैफेई एवं मेलोडी

स्तुति : 17 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और लगभग 250 लोगों ने सुना। सुसमाचार सुनने वालों के बीच में सुसमाचार साहित्य वितरित किए गए। गुण्डारकोआ क्षेत्र में सुसमाचार के लिए खुला दरवाजा है। 7 स्थानों पर रात्रि सभाएँ प्रार्थना सभाएँ आयोजित की गईं और बीमारों के लिए प्रार्थनाएँ की गईं।

प्रार्थना : सतनीकुडू गाँव के लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपनी शराब की लत से मुक्ति पाएँ। सोरीकुडू, सत्नीकुडू और बेलपारी की गाँवों के भटके हुए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे पश्चाताप करें तथा फिर से विश्वास में वापस आएँ। कोर्था गाँव के लाइकन मरांडी और उनकी पत्नी के लिए प्रार्थना करें कि मयीही विश्वास के कारण आने भाई के द्वारा तिरष्कुत किए जाने के बावजूद भी वे आने विश्वास में स्थिर रहें। सुंधन मार्टी के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार का विराध करता है।

असम

लखीमपुर :

अरोनसिंह नरजरी एवं रीना

स्तुति : तीन व्यक्तियों ने यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता मानकर कलीसिया में शामिल हो गए। आराधना सेवा का संचालन

करने के लिए दो नये घरों के दरवाजे खुले। सात गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और सुनने वालों के बीच में 1000 सुसमाचार साहित्य और 5 नए नियम वितरित किए गए।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि नामिनी दोरजी गाँवों में सुसमाचार प्रचार के लिए खुले दरवाजे उपलब्ध हों। प्रार्थना करें कि प्रार्थना समूहों को कलीसिया में परिवर्तित किया जा सके। परपंडा गाँव के लिए प्रार्थना करें कि गाँव में सुसमाचार प्रचार के लिए द्वार खुले। वर्तमान में चलाई जा रही आराधना सेवाएँ और बच्चों की कक्षाएँ बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से संचालित होने पाएँ। 6 स्थानों पर संचालित की जा रही बाइबल अध्ययन फेलोशिप में और अधिक लोगों के शामिल होने के लिए प्रार्थना करें।

जोनाई :

सुनील प्रसाद एवं जॉयबेला

स्तुति : यकृत रोग और पीलिया से पीड़ित रीमा डोवेल को परमेश्वर ने चंगाई प्रदान की। एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित बिजय डोले जो अस्पताल में भर्ती होने का खर्च वहन करने में असमर्थ था जब वह चर्च में आया और प्रार्थना की, चमत्कारिक चंगाई का अनुभव किया। दो गाँवों में आयोजित वी. बी.एस. कार्यक्रम में 80 बच्चों ने भाग लिया। 10 कलीसियाओं कलीसिया के प्राचीनों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम एक बड़ा आशीर्वाद का कारण बना।

प्रार्थना : सनरोंग और मामोर गाँवों में आराधना समूह की स्थापना करने का हमारा प्रयास के सफल होने के लिए प्रार्थना करें। विरोध के कारण बंद बालीजोन गाँव की कलीसिया के लिए प्रार्थना करें कि फिर से चालू किया जा सके। कलीसिया के प्राचीनों के लिए प्रार्थना कि वे बिना किसी भय के विश्वासियों का नेतृत्व कर सकें। विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे सभी आध्यात्मिक सभाओं में सक्रिय रूप से भाग लें। स्थानीय प्रचारक प्रणब और रोकिम के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभावी ढंग से उनके सेवकाई के लक्ष्यों को पूरा कर सकें।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती कुमारी सुसामा हारामोहन

श्रीमती सुष्मिता समारेन्द्र सिंह

गोहपुर :

नाथन कुमार बेबरता एवं निरुपोमा

स्तुति : आऊटरीच के माध्यम से लगभग 600 लोगों ने सुसमाचार सुना उन लोगों के बीच में सुसमाचार साहित्य वितरित किए गए। जोरीगुड़ी गाँव में विश्वासियों के लिए एक दिवसीय आध्यात्मिक सभा का आयोजन किया गया। हमारे संगठन की कार्यकारी समिति के सदस्य ने हमारे मिशन क्षेत्र का दौरा किया और मसीह में सभी को प्रोत्साहित किया।

प्रार्थना : बाढ़ प्रभावित क्षेत्र पलिंगन, सोगुरी, परमदाली, अंदागुरी, कोक्या, सपमारी और जबगुरी गाँवों के लिए प्रार्थना करें कि फिर से इन लोगों के बीच में सामान्य जीवन बहाल हो सके। विवाहित जोड़े रमन—नानू, निरंजन—बोंडी, सिबिसन—नानू, राजा—नूरसिम्मा और सोनल—जीरी के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें संतान सुख प्राप्त हो। आने वाले समय में होने वाले नियोजित कार्यक्रम शिविर, सुसमाचार प्रचार कार्यक्रम आदि के लिए प्रार्थना करें कि यह आशीर्वाद का कारण बने।

छत्तीसगढ़

बलोडा बाजार :

रामेश्वर दयाल एवं मधुकला

स्तुति : 2 गाँवों में 500 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। जीजस फिल्म सेवा 3 गाँवों में संचाकलत की गई। 1 व्यक्ति ने यीशु को अपने

जीवन का उद्धारकर्ता स्वीकार किया और विश्वासियों के समूह में शामिल हो गया। हमारे मिशनरी ने पारिवारिक समस्याओं के कारण आत्महत्या करने का प्रयास करने वाली कविता सुल्तान से मुलाकात करके उसको परामर्श दिया और उसके लिए प्रार्थना की, अब वह नियमित रूप से आराधना में भाग लेती है। मंजू सिवाई जिसकी सगाई टूटने से से निराश थी परन्तु अब उसकी शादी अन्य व्यक्ति के साथ तय किया गया बिना किसी समस्या के उनकी शादी भी हो गई। मिशनरी ने अपने कार्यस्थल में दुष्टात्मा से पीड़ित प्रवासी मजदूर अजेन्द्र के लिए फोन पर ही प्रार्थना की और परमेश्वर ने उनकी प्रार्थना सुनी तथा उसको दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा दिया। परमेश्वर ने हमारे मिशनरियों की रक्षा की जब वे मोटर साईकिल दुर्घटना के शिकार हुए।

प्रार्थना : ओम प्रकाश परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु मसीह को व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें। शांतनुगुरे परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे उत्सुकता से सेवकाई में संलग्न हों। काम हरिया गाँव में एक चर्च का निर्माण करने के लिए उपयुक्त स्थान पर भूमि प्राप्त हो सके। मुस्कान और तरुण, पत्रिका और दुर्गेश पारिवारिक की समस्याओं का समाधान हो और उनके बीच शांति कायम हाने पाए। विश्वासियों के बच्चों के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें उपयुक्त जीवनसाथी मिले। परमेश्वर 17 वर्षों से मिर्गी से पीड़ित प्रवीण कुमार को चंगाई प्रदान करें। मस्तिष्क शल्य चिकित्सा के बाद भी अत्यधिक दर्द से पीड़ित पूजा, दोनों किडनी के निष्क्रियता से पीड़ित पंजारी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। राधा स्वामी, निरंकारी, निजनाम, जलसदनाम और साहिब पंडिही आन्दोलन के लिए प्रार्थना करें जो हमारी सेवकाई में आधा डालते हैं।



जन्मदिन मुबारक

श्री इजराइल डैनियल पी., श्री इम्मानुएल मुर्मू
श्रीमती नीरुबेन सोमाबाई

सीतापुर :

मुथु कुमार एवं नेत्रावति

स्तुति : 28 नये गाँव में सेवा कार्य जारी है। तीन लोग यीशु के पंथ में शामिल हो गये हैं। प्रार्थना के बाद, परमेश्वर ने सारी प्रार्थना सुनी और हमारे विश्वासी पौलुस की पत्नी को एक स्वस्थ शिशु को जन्म देने में सहायता प्रदान की जिसके कई गर्भपात हो चुके थे। नए विश्वासी दोहान की गाय घने जंगल में भटक गई और प्रार्थना के 21 दिनों के बाद, परमेश्वर की मदद से अपने आप घर आ लौट आई।

प्रार्थना : प्रार्थना करके कि जिन गाँवों में सुसमचार प्रचार किया गया है उन गाँवों में आराधना समूह की शुरुआत हो सके। प्रेमिला कोदुड़ी को गुर्दे की पथरी से सम्पूर्ण चंगाई प्राप्त हो। परमेश्वर रीढ़ की हड्डी में कैंसर से पीड़ित छह साल के बच्चे खिला टोप्पो पर दया करे और चंगाई प्रदान करे। कलजीपा, थरैतादान और परपाकला में चल रहे चर्च निर्माण का कार्य बिना किसी रुकावट के पूरा होने के लिए प्रार्थना करें।, केरल में लापता मीना के सुरक्षित घर लौटने के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर सभी स्थानीय प्रचारकों और मिशनरी परिवारों को शक्तिशाली रूप से इस्तेमाल करें।

रघुनाथपुर बाल भवन : लौलिन

भुईयाँ एवं किरण भेंगरा

स्तुति : परमेश्वर ने भीषण गर्मी के समय में छात्रावास के बच्चों और मिशनरियों की रक्षा

की। परमेश्वर ने छात्रावास की लड़कियों के लिए खाना बनाने हेतु रसोइया प्रदान किया। छत की मरम्मत का काम सफलतापूर्वक पूरा होने के लिए वामेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि परमेश्वर हमें छात्रावास की देखभाल करने के लिए आवश्यक बुद्धि और शक्ति प्रदान करे। छात्रावास में खाना बनाने के लिए और एक योग्य रसोइया प्रदान करे। विद्यालय आते जाते समय परमेश्वर छात्रावास के बच्चों को सुरक्षा प्रदान करे। प्रार्थना करे कि बच्चे अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दें। प्रार्थना करें कि छात्रावास के बच्चे आत्मिक जीवन में आगे बढ़ें।

ओड़िशा

जशीपुर : सामुएल जे. एवं
हविला परमानंद

स्तुति : आठ नए लोगों ने यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया कलीसिया में शामिल हो गए। तहसील कालिन और सुकांति हेब्रोम को परमेश्वर ने दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा प्रदान किया। परमेश्वर ने मिंजारी को प्रार्थना के द्वारा मानसिक समस्या से चंगाई दी। कंदीपिल गाँव में परमेश्वर ने हमारे विश्वासी के बच्चे को जहरीला साँप के काटने से बचाया। मुनकरई देवन ने हमारे एक विश्वसी की जंगल में जंगली जानवरों के हमले से रक्षा की। तीन साल तक शैतान के बन्धन में रही मीना गुजट्टा, को परमेश्वर ने छुटकारा प्रदान किया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि परमेश्वर ने शिव पेरुवा चंगाई प्रदान करे जिसके एक भालू के हमले करने से उसकी बांह की हड्डी टूट गई है। नए विश्वासियों मसीह में मजबूत हों। मीना को दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिले। प्रार्थना करें कि विश्वासी पालेमा, जनादपना, अर्जुन पुरथी, ओमदेय पुरथी, मुक्ता हेमरोम, गुरुवारी पुर्थ और गोपीनाथ हांसदा शारीरिक को शारीरिक दुर्बलताओं से चंगाई मिले।



उपवास
प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती एमी आनंदी एलिया

गुजरात

सूरत :

माधवरॉय एवं जेबातंगम

स्तुति : लगभग 130 लोगों को सुसामचार सुनाया गया। जब सोना का पति बिना नौकरी के संघर्ष कर रहा था, तब सोना ने अपने पति के लिए परमेश्वर से प्रार्थना की और उसने परमेश्वर की अनुग्रह अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करने में सक्षम हुआ। हमारे विश्वासी आशा बेन लम्बे समय से एक घर के लिए प्रार्थना कर रही थी, प्रार्थना के परिणाम स्वरूप उसे एक अच्छा घर रहने के लिए भाड़े में मिला और एक अच्छे पड़ोसी भी मिले। परमेश्वर ने नितिन अच्छा काम देकर आशीष दी है। परमेश्वर ने लक्ष्मी प्रेम और उसके पति को दुर्घटना से बचाया। रात्रि सभा सम्पन्न करके वापस आने के दौरान परमेश्वर ने मिशपरी को चोट लगने से बचाया ऑटो से गिर गया था, इसके लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना : लक्ष्मी के पति के मन फिराव और उद्धार के लिए प्रार्थना करें जो उसे बाईबल पढ़ने और प्रार्थना करने से रोकता है। सुरेंद्रबाई के पुत्र पथिराम के सुरक्षित घर वापसी के लिए प्रार्थना करें जो अचानक घर

से गायब हो गया है। उन लोगों के जीवन की हर रुकावटें दूर हाने के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार प्रचार करने के लिए तैयार हैं। पिकी के पति के लिए प्रार्थना करें कि वह उद्धार पाए। परमेश्वर विद्या को चंगाई प्रदान करें जो दो वर्षों से शरीर में जलन और स्त्री रोग से पीड़ित है। गौतम नगर चर्च के गिराए जाने के बाद विश्वास से भटके विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे फिर से विश्वास में वापस आएँ।

सेलाम्बा :

युवानेश एवं झाँसी रानी

स्तुति : दो स्थानों पर महिलाओं की सभाएँ में आयोजित की गईं। दो नए प्रार्थना समूह शुरू कर दिए गए हैं। परमेश्वर द्वारा बीमारी और कमजोरी से चंगाई पाने के कारण भटूभाई अब सेवकाई के लिए उत्साह के साथ सेवकाई में लगा हुआ है। पाली वचू के गाँव में एक नई आराधना दल की शुरुआत की गई है। चिलचिलाती धूप से मिशनरियों और विश्वासियों की रक्षा करने के लिए आईये हम परमेश्वर की प्रशंसा करें।

प्रार्थना : जो लोग विश्वास से भटके हुए लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे फिर से विश्वास में वापस आएँ। तंत्रिका समस्या के कारण खड़े होने में असमर्थ पवित्रा बेन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें कि प्रभु उसे चंगाई दे। प्रार्थना करें कि दूरदराज के छात्रावासों में रहने वाले विश्वासियों के बच्चे पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें। प्रार्थना करें कि वमेश्वर विश्वासियों के कृषि कार्य के लिए अच्छी वर्षा प्रदान करें। लक्ष्मी खेड़ा में विरोध के कारण रोक दी गई आराधना फिर से शुरू किया जा सके।



बोड़ेली :

येसु बाबू एवं उषा एस.

स्तुति : जब अश्मिता अचानक बेहोश होकर मृत के समान गिर गई तो 20 किलोमीटर दूर से स्थानीय प्रचारक को प्रार्थना के लिए बुलाया गया। जब हमारे मिशपरी ने उसके लिए प्रार्थना की तो परमेश्वर ने उसको फिर से जीवन प्रदान किया। 3 नए गाँवों में सुसामाचार प्रचार किया गया। जहरीले साँप के काटने के बाद जब जैली बेन आशाहीन अस्पताल से घर वापस भेज दिया गया को भेजा गया तो कवश्वासियों ने विश्वास के साथ उसके लिए प्रार्थना की और प्रभु ने चमत्कारिक रूप से उसको नया जीवन प्रदान किया।

प्रार्थना : रमेश के बेटे आशीष की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो जो तंत्रिका तंत्र के विकार के कारण अस्पताल में सर्जरी के लिए भर्ती कराया गया था आर ऑपरेशन के दौरा किसी नस के कट जाने से आफरेशन का कार्य बन्द कर दिया गया। प्रार्थना करें कि दोबारा ऑपरेशन सफलतस्पूर्व होने पाए और नौकरी में वापस जा सके। स्थानीय प्रचारक अमर और रीना सिंह के जन्मजात दोष के साथ पैदा हुए, नए जन्मे बच्चे के लिए प्रार्थना करें परमेश्वर उसे चंगाई प्रदान करे।

नासवाड़ी : हेनरी सोलोमन एवं एन्जेल जेबा

स्तुति : गोंडा, केन्नारीपारी और जिबिली गाँव में जब सुसमाचार सुनाया गया तो उसे सुनने के लिए बहुत से ग्रामीण एकत्रित हुए। जब कुमार और सतीश नियमित रूप से चर्च में आकर उनके पेट में निरन्तर हो रहे दर्द के लिए प्रार्थना

की तो परमेश्वर ने उनके चंगाई प्रदान की। जिबिली गाँव का विकास पेट के अज्ञात दर्द के कारण काम पर जा नहीं पा रहा था, उसने चर्च में आकर परमेश्वर से प्रार्थना की तो परमेश्वर ने उसे चंगाई प्रदान की। स्थानीय प्रचारक ने परिवार मिलन समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक किया।

प्रार्थना : काड़ी गाँव के उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करे जो विश्वास से भटक गए हैं विश्वास में वापस आएँ और विश्वास में मजबूत हों। काम की खोज में अन्य राज्यों में गए हुए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करे कि वे इस बरसात की ऋतु में आने बाने गाँव सुरक्षित वापस आएँ। केम्माजी की पत्नी को किडनी की बीमारी से चंगाई मिले। अज्ञात बीमारी के कारण बार बार बेहोश होने की समस्या से अब्दुल के बेटे राकेश को चंगाई मिले।

कावंत : अखिलेश कुमार एवं किरण देवी

स्तुति : जब उंधीबेन शरीर पर जगह-जगह फोड़े से पीड़ित होने के कारण से नहीं पाती थी, उसने विश्वास के साथ प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसे चंगाई प्रदान की। पारुबेन और शकिना विवाहित जीवन के कई वर्षों से संतान प्राप्ति के लिए प्रार्थना कर रहीं थीं परमेश्वर ने उनकी प्रार्थनाओं को सुना और गर्भधारण करने और बच्चे को जन्म देने में सक्षम बनाया। परमेश्वर ने हमें 4 स्थानों पर बिना किसी रुकावट के सुसमाचार प्रचार सभा का आयोजन करने में हमारी सहायता की।

प्रार्थना : सिलाकड़ा गाँव में सार्वजनिक रूप से विश्वास की स्वीकारोक्ति कार्यक्रम संचालित किया जा सके। रिया बेन को उल्टी की बीमारी से पूर्ण चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें जो अस्पताल में उपचार के बाद भी ठीक नहीं हुआ। विनयबाई और नानाकीबाई को गुर्दे की बीमारी से मुक्ति मिले। पिछले 15 वर्षों से पेट की बीमारी से पीड़ित सकलीबेन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।



जन्मदिन मुबारक

श्री राममुनि जेबोवी प्रसाद
श्री वेंकटेश वड्डार
श्री आशीष कुमार
श्रीमती सुभासिनी मुर्मू स्टीफन

आहवा :

विगनेश्वरन एवं एंजेलिन

स्तुति : उन 25 व्यक्तियों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिन्होंने सच्चा जीवित परमेश्वर पाया पाकर उद्धार पाया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो गए। रावजीबाई को प्रार्थना के द्वारा जहरीले साँप के काटने से परमेश्वर ने चंगाई दी। परमेश्वर की अनुग्रह से हम लोगों ने विश्वासियों के नव निर्मित मकान का संस्कार करने में सक्षम हुए। की कृपा से हम सक्षम हुए। विश्वासियों ने संस्कार कार्यक्रम में आए हुए सभी लोगों के बीच में परमेश्वर की महानता को साझा किया और गवाही बताया।

प्रार्थना : मनीषा नामक एक विश्वासी जो आंगनवाड़ी में नौकरी करती है मसीही विश्वास के कारण ग्रामीणों की ओर से विरोध का सामना करना पड़ रहा है कृपया उसके लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि उसे किसी भी प्रकार की बाधा न हो और अपनी नौकरी पर स्थिर रहे। 7 वर्षों से चलने में असमर्थ वड़ियावन गाँव के अतुल, 4 वर्षों से चलने में असमर्थ

जेया, अजित, सिंजिनागावुडा, रंजीत और ब्लेसी जो कई वर्षों से चलने में असमर्थ हैं प्रार्थना करें परमेश्वर इन सब को परमेश्वर चलने की शक्ति प्रदान करे। ग्रामीणों द्वारा विरोध प्रदर्शन के कारण प्राथमिक विद्यालय का विगिस नहीं हो पा रहा है प्रार्थना करें कि स्थानीय प्रशासन शिक्षा पर अधिक ध्यान केन्द्रित करें।

दादर एवं

हवेली

खानवेल :

अरुल असीर एवं सुगुना एल.

स्तुति : उपचार की विफलता के बाद जीभ से खून बहने की समस्या से पीकड़त टपुलाना गांव का कृष्णा को प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। जब गाँव के विश्वासियों ने बहरी लड़की जानी के लिए प्रार्थना की तो परमेश्वर ने उन्हें बहरेपन से चंगाई दी। प्रसव के दौरान, विश्वासी मनोज का बच्चा गंभीर हालत और मृत्यु के खतरे में था, परन्तु परमेश्वर ने प्रार्थना के द्वारा उस बच्चे को बचा लिया। किरण को बिना किसी आफपरेशन के मस्तिष्क में खून के रिसाव से चंगाई मिली।

प्रार्थना : 12 वर्षीय लड़की एलीशा को दौरे से और रमन बाई को अल्सर से चंगाई मिले और उद्धार पाए। ईश्वर बाई को हाथ के फ्रैक्चर से और सिपर बाई को अचानक हुए अंधापन और बीमारी से चंगाई मिले। हमारे नए विश्वासी लक्ष्मी और उसके परिवार को शैतान के जाल से छुटकारा मिले।



रांधा बाल भवन :
मरकस मालतो एवं सारा,
चंद्रिका बेन,
मनीषा लकड़ा

स्तुति : उन सभी छात्रों के लिए जो अपनी 10वीं बोर्ड परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की और माध्यमिक विद्यालय में दाखिला लिया। 23 नए बच्चों ने हमारे छात्रावास में नामांकन लिया। जो छात्र छुट्टी पर अपने अपने घर गए थे अपनी पढ़ाई को जारी रखने के लिए वापस छात्रावास में वापस आ गए हैं। परमेश्वर ने अच्छी वर्षा देकर हमारे छात्रावास में पानी की कमी को दूर किया और बोरवेल में प्रचुर मात्रा में भूजल का पुनर्भरण किया।

प्रार्थना : 10वीं, 11वीं और 12वीं के छात्रों के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें बुद्धि और ज्ञान से भरे ताकि हर एक बच्चे आनी पढ़ाई को सफलतापूर्व पूरा कर सकें। नये छात्रों के लिए प्रार्थना करें कि वे घर की यादों पर विजय प्राप्त करें और पुराने छात्रों के साथ रू-बरू होने पाएँ। विद्यार्थियों के बीच बाइबल समूह अच्छी तरह से काम करे और बच्चे आध्यात्मिक

भक्ति में आगे बढ़ें। प्रार्थना करें कि परमेश्वर बच्चों को मानसून में स्वस्थ जीवन प्रदान करे।

महाराष्ट्र

कपराड़ा/पेंट :

बिदुश कुमार नायक एवं
प्रीतीबाला प्रधान

स्तुति : लिकवात गाँव की कलीसिया को महिमा के लिए समर्पित किया गया था भगवान का। कासटवारी गाँव की पहाड़ी पर स्थित कलीसिया जब पानी की समस्या का सामना कर रहा था तो विश्वासियों ने प्रार्थना की और बोरवेल खोदा, परमेश्वर की अपुग्रह से पानी कम ही गहराई पर मिला। सागुड़ा गाँव के तीन नए परिवार के लाकग विश्वास में आए हैं। पहाड़ी इलाके में रहने गोपजीबाई जब वाहन दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हो गया तो प्रार्थना के कारण चमत्कारिक रूप से बच निकला।

प्रार्थना : गुंडा गाँव के उमेरश की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो कुष्ठ रोग के कारण उसके पैरों में संक्रमण हो गया है। जंगविगीर गाँव के जिग्नेश को निर्माण स्थल पर उसके सिर पर ईट गिरने से हुई चोट से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। कई वर्षों से लकवा सक पीड़ित बोरीपाड़ा गाँव का मनसुबाई की पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें। अपने घर की छत से गिरने के कारण चोटिल असलन गाँव का बंदुबाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जा चलने में आमर्थ है।



डिंडोरी/भारे/सुरगना :

मयिलसामी एवं येसुमनी

स्तुति : वसंत को शैतानिक रसक्ति के कारण कई वर्षों तक तकलीफ सहने के बाद प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। परमेश्वर की अनुग्रह से, सिक्कड़ी गाँव में एक नई आराधना दल की स्थापना की गई। रानपाड़ा और रंजिरी गाँव में राकत्र प्रार्थना सभा का आरम्भ किया गया है। चर्च में कलीसिया के प्राचीनों और स्थानीय सेवकों की सभा आयोजित की गई। सुसमाचार प्रचार के लिए 10 टीमों गठित की गई हैं।

प्रार्थना : नवगठित महिला प्रार्थना समूहों की सुचारु रूप से संचालित होने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि नई आत्माएँ बचाई जा सकें। बोरीपाड़ा, देवीपाड़ा और हंपत्सापाड़ा गाँव में सार्वजनिक विश्वास स्वीकारोक्ति कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए जाने के लिए प्रार्थना करें। कटकी गाँव में सुसमाचार के लिए द्वार खुलने के लिए प्रार्थना करें। आगामी सामूहिक सुसमाचार सभा की सफलता के लिए प्रार्थना करें कि अधिक से अधिक आत्माओं को प्रभु के पास लाया जा सके।

वालीसगाँव : येसु प्रकाश

एवं सुनंदा बेली

स्तुति : जब हमारे मिशनरी घर-घर भ्रमण कर रहे थे, उन्हें दुष्टात्मा से ग्रसित एक लड़की के लिए प्रार्थना करने को आमंत्रित किए गए थे। जब उन्होंने उसके लिए प्रार्थना की, तो प्रभु ने सरला को पूरी रीति से दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा प्रदान किया। सुमन यादव को

दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिला। परोसी गाँव में एक दिवसीय पुनर्जागृत सभा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बहुत से युवाओं और युवतियों ने भाग लिया और गवाही का जीवन बिताने के लिए स्वयं को समर्पित किया।

प्रार्थना : नारायणन को पक्षाघात से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। किकिता के लिए प्रार्थना करें कि वह मस्तिष्क तंत्रिका रोग से चंगाई प्राप्त कर सके। इन्दु को क्षय रोग से चंगाई मिले। प्रभु से प्रार्थना करें कि वाल्मीकि को उसे गुर्दे की बीमारी से चंगाई मिले जो उसके कारण से उसका शरीर किसी भी प्रकार का भोजन ग्रहण करने में असमर्थ है। आशा के लिए प्रार्थना करें कि उसे पूरे शरीर में हो रही जलन से चंगाई मिले।

अक्कलकुवा :

जगमोहन सिंह एवं स्वाति

स्तुति : 9 गाँवों के 41 व्यक्तियों को व्यक्तिगत रूप से सुसमाचार सुनाया गया। आध्यात्मिक विकास और शारीरिक अभिलाषाओं पर विजय प्राप्त करने के लिए 5 गाँवों में एक दिवसीय उपवास प्रार्थना का आयोजन किया गया। इस प्रार्थना में बहुत से विश्वासियों ने भाग लिया और आशीषित हुए। एक दिवसीय मेले में लगभग 200 विश्वासियों ने भाग लिया और परमेश्वर के वचन को सुना।

प्रार्थना : विनीत भाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो बीमारी के कारण चर्च आराधना में भाग लेने में आमर्थ है। वरदापाड़ा गाँव में एक नई आराधना का गठन किया जाए। प्रार्थना करें कि परमेश्वर सुनील दत्ता और उषा बेन के जीवन को आशीष दे जो सेवकाई में ईमानदारी से सहायता करते हैं। सारदा बेन के पियंकड़ पति के मनफिराव के लिए प्रार्थना करें जो उसको आराधना में जाने से रोकता है।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सिंदु कोरा एडविन

चोपड़ा : वसावा

भानसिंह एवं येमेन बेन

स्तुति : 4 गाँवों में सुसमाचार की घोषणा की गई। सोनजापाड़ा जंजापाड़ा गाँव में रात्रिकालीन सभाएँ शुरू की गई हैं। 10वीं कक्षा की परीक्षा लिखे सांगवी बालभवन के बच्चों ने अपनी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन किया और अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए। नए अकादमिक सत्र के लिए हमारे बाल भवन में 23 नए बच्चों का नामांकन हुआ।

प्रार्थना : विश्वासी नसीबाई के लिए प्रार्थना करें मसीही विश्वास के कारण गाँव के लोगों की ओर से विरोध का सामना करता है। प्रार्थना करें कि परमेश्वर सांगवी बालभवन के लिए एक योग्य छात्रावास अधीक्षक का प्रबन्ध करे। प्रार्थना करें कि परमेश्वर इस मानसून में बच्चों को अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करे। नये छात्रों को अच्छी तरह से अध्ययन करने और पुराने बच्चों के साथ रू-बरू होने के लिए प्रार्थना करें।

मशावाड़ :

भरणीधरन एवं सेल्वारानी

स्तुति : 9 लोगों ने प्रभु यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया और शिवासियों की मण्डली में शामिल हो गए। 2 साल से गंभीर रूप से पेट दर्द से पीड़ित पटेलपाड़ा गाँव की रेवती को जब उसने चर्च

में आकर प्रार्थना की तो परमेश्वर ने चंगाई प्रदान की। 3 स्थानों पर महिलाओं की विशेष सभा और 6 स्थानों पर बच्चों की बाइबल अध्ययन कक्षाएँ प्रभावी ढंग से आयोजित की गईं। अरुण दत्ता जो अक्सर बेहोश हो जाता था, प्रार्थना के द्वारा चंगाई पाया।

प्रार्थना : वारसिल गाँव में नियोजित सुसमाचार प्रचार की योजना की सफलता के लिए प्रार्थना करें और परमेश्वर इसके लिए खुला द्वार प्रदान करे। प्रार्थना करें कि परमेश्वर विश्वासियों के खेत में अच्छी फसल दे और अच्छी वर्षा प्रदान करे। मालसिंह को पेट की सूजन से चंगाई मिले। आगामी स्त्री आध्यात्मिक बैठकों की सफलता के लिए प्रार्थना करें।

मोलगी : बिद्युत कुमार सिंह

स्तुति : शैतानी बन्धन से पीड़ित सक्रिपारी गाँव का धर्मा को स्थानीय प्रचारक की निरंतर प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। 5 नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। 37 स्थानों पर रात्रि सभाएँ संचालित की गईं और बहुत से लोगों को सुसमाचार सुनने का अवसर प्राप्त हुआ। 14 गाँव के चर्चों में आध्यात्मिक जागृति सभा का आयोजन किया गया।

प्रार्थना : कोमल को नर्सिंग कोर्स में शामिल होने के लिए प्रवेश मिले। गीता का उसके पति के साथ मेलमिलाप हो जो वर्तमान में वे गलतफहमियों के कारण अलग हो गया है। आगामी सार्वजनिक विश्वास की स्वीकारोक्ति कार्यक्रम, सुसमाचार आउटरीच सेवा, महिला सभा, बच्चों की कक्षाएँ और बाइबल अध्ययन का आयोजन सफलतापूर्वक होने पाए। प्रार्थना करें कि परमेश्वर सेवा के बोझ से भरे हुए स्थानीय सेवकों को खड़ा करे।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती शीला विक्टर

एटापल्ली :

अरविंद वासावे एवं एजू अरविंद

स्तुति : 11 व्यक्तियों ने पापपूर्ण जीवन को त्यागकर मसीह को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। रेचपल्ली में आयोजित युवा शिविर और अलापल्ली में आयोजित गिदियोनिक सभा में कई युवाओं ने भाग लिया तथा मसीह के लिए जीवन बिताने हेतु स्वयं को समर्पित किया। नक्सलवादी बताकर पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए धनु सिधम के लिए जब विश्वासियों ने प्रार्थना की तो नुलिस ने उसके विषय में स्पष्ट जानकारी लेकर अंत में रिहा कर दिया। समीर पुंगट्टी जो बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती था परमेश्वर की दया से प्रार्थनाओं के द्वारा चंगाई पाया।

प्रार्थना : इरुप्पनूर और संगम क्षेत्र में समर्पण के साथ सेवा करने के लिए परमेश्वर समर्पित स्थानीय सेवकों को खड़ा करे। कोत्सूर गाँव निवासी संधू की आजीविका के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें जो मसीही विश्वास के कारण उसके बड़े भाई के द्वारा घर से बाहर कर दिया गया है। कटसूर मण्डली में शांतिपूर्ण स्थिति कायम होने के लिए प्रार्थना करें जहाँ पर चर्च निर्माण को लेकर भारी

विरोध चल रहा है। कटसंगूर मण्डली के विश्वास से भटके हुए विश्वासी संतोष, गणेश, पथुकेट्टा और मोदीमार्का गोस्वामी के परिवार के लिए प्रार्थना करें जो विश्वास से भटक गए हैं फिर से विश्वास में वापस आएँ।

तलाजरी :

गेड्डाम श्रीनिवासराम एवं राजलक्ष्मी

स्तुति : जेरी गँव में आयोजित उपवास प्रार्थना में अनेक विश्वासियों ने भाग लिया और अपने मित्रों तथा रिश्तेदारों के उद्धार के लिए प्रार्थना किए। उत्तव गाँव की कलीसिया में चर्च के अगुवों का दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित की गई। सायवन, ओपवीरा और संधरा गाँव में विश्वासियों का परिवारिक सम्मेलन आयोजित किया गया। उपलथ और वेलुगम गाँव में महिला सभा सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

प्रार्थना : अप्लाथ कलीसिया के प्राचीन के ईश्वरीय सांत्वना के लिए प्रार्थना करें जिनके दामाद की मृत्यु हो गई। इस क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रार्थना करें जो 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई पूरी करके यों ही घरों में पड़े हुए हैं ताकि वे अपने जीवन यापन के लिए आगे बढ़ने को उत्साहित हों। नियमित रूप से संचालित किए जा रहे प्रार्थना समूहों के लिए प्रार्थना करें कि और भी मजबूत हाक तथा सभी कलीसियाओं में आराधना समूह का गठन किया जा सके। कलीसिया के अगुवों पर पवित्र आत्मा का अभिषेक और मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभावशाली ढंग से अपनी अपनी कलीसियाओं का संचालन का सकें।



जन्मदिन मुबारक

श्री एडवर्ड जेबासिंह जे.
श्रीमती वासावे सुनीता बेच्या

कर्नाटक

निदागुंडी :

सामुएल बेबरता

स्तुति : दो गाँव हंसियालय और गंगाथर में 210 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। एक व्यक्ति ने अपने जीवन में यीशु मसीह को ग्रहण किया। परमेश्वर ने गंगम्मा के पति को उनकी बीमारी से चंगाई दी। देवियम्मा को परमेश्वर ने दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा प्रदान किया। पिछले 15 दिनों से पेट की गंभीर बीमारी के कारण दर्द से पीड़ित संगाराम को परमेश्वर ने चंगाई दी। हर रविवार को नये विश्वासी प्रभु की आराधना करने के लिए चर्च में शामिल हो रहे हैं।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि निदागुंडी के सभी क्षेत्रों में दूसरों के साथ सुसमाचार का प्रचार किया जा सके। बांदारा लोगों के बीच में आत्मिक पुनरुत्थान के लिए प्रार्थना करें। 7 वर्षों से दुष्टात्मा से पीड़ित हिनाचियाला गाँव का रमन के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें हमेशा के लिए छुटकारा प्रदान करे। नीला भाई और सुनंदा भाई के लिए प्रार्थना करे कि वे अपनी परीक्षाएं दें सकें और अच्छे परिणाम प्राप्त करें। हमारे मिशनरी बेबरता के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें रीढ़ की हड्डी की समस्या से चंगाई मिले।

शिरहट्टी :

आशाप्राप्ता पाल एवं दीना बेबरता

स्तुति : जब विश्वासियों ने उसके लिए उपवास के साथ प्रार्थना की तो परमेश्वर ने लम्बे समय से बीमार महेश को चंगाई दी। 4 लोगों ने आने जीवन में मसीह को अपना उद्धारकर्ता ग्रहण किया। हमारी सेवकाई में एक अच्छा सहायक और स्वयं सेवक सम्राट द्वारा संचालित अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के 600 बच्चों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपनी पढ़ाई को अच्छी तरह स कर पाएँ और पढ़ाई पूरा करने के पहले मसीह को अपने जीवन में ग्रहण करके विद्यालय से निकलने पाएँ। हमारे कुछ विश्वासियों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए सरकारी छात्रावास में रहने हेतु स्थान मिला। परमेश्वर ने अभिषेक और राजेश को मोटर साईकिल दुर्घटना में सुरक्षित बचाया।

प्रार्थना : कृष्णा के लिए प्रार्थना करें नौकरी के लिए अनेक स्थानों पर प्रयास किया परमेश्वर उन्हें एक अच्छी नौकरी प्रदान करे। रहने के लिए घर की खोज में संघर्ष कर रहे आशोल के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें सरकारी सुविधा के तहत घर आवंटित किया जाए। हमारे विश्वासी मेइनाम्बा की माँ के लिए प्रार्थना करें कि उसे शराब बेचने की बुरी आदत से छुटकारा मिले। एलामा के पति के लिए प्रार्थना करें जो शराब पीकर झगड़ा करता और परिवार में हंगामा करता है शराब की लत से छुटकारा पाए। बहुत से विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो ऋण के बोझ से दबे हुए हैं छुटकारा पाएँ। प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें बिना ऋण के अपने परिवार का प्रबन्धन में सहायता करे।



आंध्रप्रदेश

दमलाचेरुवु :

**जॉन डेविड राज (सेवानिवृत्त) एवं
ज्ञाना सेकरी**

स्तुति : जब विश्वासियों के एक समूह ने उनके लिए प्रार्थना की तो परमेश्वर ने राममूर्ति और उनके बेटे येगम्बरम को शराब की लत से छुटकारा प्रदान किया। परमेश्वर ने विश्वासी जोसेफ श्रीराम की अंतिम संस्कार सेवा शामिल सभी लोगों को सुसमाचार सुनाने में हमारी सहायता की। परमेश्वर ने हमारे विश्वासी शांतय्या परिवार को अजगर से बचाया। परमेश्वर ने गोविन्द को शैतानी बन्धन से छुटकारा दिया।

प्रार्थना : जोसेफ श्रीराम के परिवार के लिए सांत्वना और बच्चों के शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति और भविष्य के लिए प्रार्थना करें। कलावती एवं ईश्वर, सुमन एवं सुमात्रा, नागेन्द्र एवं मालेश्वरी तथा सुभाषिनी एवं गुरुवैय्या परिवार के बीच शांति बहाल होने के लिए प्रार्थना करें ताकि वे एक साथ रह सकें। पवन को दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिले। सुमन, राजेश, मुकेश, जयराम चिन्ना पपम्मा, सुब्रमणि, गुरुवैय्या, शिवा, प्रशांत और सुब्रमणि के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें शराब की लत से मुक्ति मिले। विक्टर वीरासामी के दोनों गुर्दे चंगाई के

लिए प्रार्थना करें जिनका डायलिसिस चल रहा है। नाथमुनि को मुख के कैंसर से चंगाई मिले। एडवर्ड और सुब्रमणि को योग्य जीवन साथी प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि परमेश्वर गूंगे रेड्डी श्री और राजेश के बच्चों के जीवन में अद्भुत कार्य करे क्योंकि डाक्टर ने जाँच रिपोर्ट में कहा है कि उनके बच्चे भी सनने और बरेलने नहीं पाएँगे। मिशनरी की बेटी डेजी को स्थायी पोस्टिंग मिलने के लिए प्रार्थना करें।

कालाकाड़ा :

राउत सुभाष एवं

तुम्बाड़ा रसीलाबेन

स्तुति : खोजियों का दुष्टात्मा के बध्प से छुटकारा दिया। राजू की आँखों का ऑपरेशन सफलतापूर्वक हुआ। परमेश्वर ने परिसुतम्मा को बिजली के झटके बचाया। अब्राहम को भय और कमजोरी के चंगुल से छुटकारा मिला। राजेश को डेल कंपनी में स्थायी नौकरी मिली। मिशनरी परिवार गुजरात स्थित अपने परिवार का दौरा करने के बाद सुरक्षित मिशन क्षेत्र में वापस लौट आए हैं।

प्रार्थना : उन पाँच लोगों के लिए प्रार्थना करें जो अपने विश्वास को अंगीकार करने के लिए तैयार हैं, वे उनसे परिवार के सदस्यों या उनके समाज के कारण भ्रमित न हों। परमेश्वर राजू, रतनम्मा, जयम्मा पद्मावती और चन्द्रम्मा विभिन्न बीमारियों से चंगाई प्रदान करें। नयोमी के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। देवलमपल्ली के विश्वासीगण नियमित रूप से रविवारीय आराधना में भाग लें।



कोथाचेरुवु : देसाई दिलीप

भाई एवं रांधे लक्ष्मीबेन

स्तुति : 3 गाँवों के 288 व्यक्तियों को सुसमाचार सुनाया गया। 3 लोगों ने प्रभु में अपने विश्वास का अंगीकार किया और मसीह के पंथ में शामिल हो गए। पैर में तेज दर्द के कारण चले में असमर्थ लक्ष्मी देवम्मा को परमेश्वर ने चंगाई प्रदान की जब उसने चर्च में आकर परमेश्वर से प्रार्थना की। चेनाराजूपल्ली गाँव के एक मसीही रीति से हो रहे अंतिम संस्कार देखने आए सभी लोगों का सुसामाचार सुनाया गया।

प्रार्थना : परमेश्वर हरीश की बहन और माँ को सांत्वना दें जिनका निधन हो गया। 12 वर्षीय मुथयाल्लप्पा और उनकी दो वर्ष की बहन की सुरक्षा और भविष्य के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने अपने माता पिता को खो दिए। प्रार्थना करें कि परमेश्वर एक दुर्घटना में पैर में चोट लगी सतीश को चंगाई प्रदान करे। बीमारी के बिस्तर पर पड़ी नारायणम्मा और स्त्री रोग समस्या से पीड़ित विजयालक्ष्मी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। संजीव कुमार के छुटकार के लिए प्रार्थना करें जो शराब की लत के कारण घर में दंगा फैलाता है। साईनगर में चर्च निर्माण के लिए एक जमीन की खरीद के लिए प्रार्थना करें।

पालमनेर :

पौल कुपुसामी एवं शीला

स्तुति : कंदारिगा एवं सेवरापल्ली गाँव में सुसमाचार के निमित्त द्वार खुला।

काजावरपल्ली गाँव की कलीसिया में दो नये परिवार शामिल हो गए हैं। कोलासनापल्ली कलीसिया में कई लोग आराधना में भाग लेना आरम्भ किए हैं। डॉक्टरों सिजेरियन की सलाह दिए जाने के बावजूद हेमलता ने विश्वासियों के साथ शामिल होकर विश्वास के साथ प्रार्थना की और परमेश्वर ने सामान्य प्रसव के द्वारा शिशु को जन्म देने में सक्षम हुई। वेंकटरमण को निरन्तर प्रार्थनाओं के द्वारा क्षय रोग की बीमारी से चंगाई मिली।

प्रार्थना : आगामी युवा सभा, महिला सभा और कलीसिया के अगुवों की सभा का सफलतापूर्वक संचालन के लिए प्रार्थना करें। रामनप्पा ने चर्च के निर्माण के लिए उदारतापूर्वक अपनी जमीन दान दिया है। प्रार्थना करें कि भूमि का पंजीकरण बिना किसी रूकावट के हो। निम्नलिखित विश्वासीगण क्रमशः सौम्या, अनिता, अम्मू, बालकृष्ण, कलावती, सुब्रमणि और रेड्डीयप्पा लक्ष्मणन, दीपम्मा, कौरम्मा और उनके पति के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में स्थिर हों और कलीसियाई आराधना में नियमित रूप से भाग लें।

निरंतर प्रार्थना विजय लाता है!

2022 में, हमारे मिशनरी रामकृष्ण और स्थानीय प्रचारक पश्चिम बंगाल के पगुआहाट मिशन क्षेत्र के नीमधाका गाँव में यीशु मसीह का फिल्म दिखलाने और सुसामाचार प्रचार करने के लिए गए थे। रात्रि सभा की समाप्ति के बाद धार्मिक कट्टरपंथियों ने उन दोनों को रोका और वाहन पर हमाल करके प्राजेक्टर के सभी सामानों को ले गए और उन दोनों को गालियाँ भी दीं। तब से उस गाँव के लिए निरन्तर प्रार्थना चढ़ाई जाती रही। परमेश्वर ने इन प्रार्थनाओं का उत्तर दिया और गाँव के कई लोगों ने अपना मन फिराया और मसीह को उद्धारकर्ता स्वीकार किया। पिछले जून को इस शहर में एक अस्थायी आराधना स्थल की स्थापना की गई जहाँ विश्वासियों ने परमेश्वर की महिमा की। परमेश्वर की स्तुति हो!



जन्मदिन मुबारक

श्री क्रिस्टोफर पी.जी.

श्री बालाजी येसुदासन जी.

कुप्यम :

वेंकटेशन क्रिसेंट एवं

शशिकला

स्तुति : कोंधादिमनपल्ली में एक नया आराधना समूह का गठन किया गया। 9 लोगों ने अपने पापमय जीवन को त्यागकर प्रभु यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण किया और मसीह के अनुयायी बने। परमेश्वर ने गृह प्रवेश समारोह में सुप्पू – अनिता परिवार को अपने रिश्तेदारों और मित्रों को सुसमाचार सुनाने का अवसर प्रदान किया। परमेश्वर की अनुग्रह से हमारे विश्वासियों के बच्चों ने उच्च शिक्षा की पढ़ाई के लिए सरकारी संस्थानों में प्रवेश लिए हैं।

प्रार्थना : यास्विन और जैस्मीन परिवार के लिए प्रार्थना करें जो आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। कुमा एवं राधिका परिवार के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें संतान की प्राप्ति हो। अगामी विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति सभा, नया विश्वासियों का आध्यात्मिक प्रशिक्षण, कलीसिया के प्राचीनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम बिना किसी रुकावट के सफलतापूर्वक आयोजित किए जाने के लिए प्रार्थना करें।

शंकरमण को उनकी बीमारी से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि उसके राज्य की विस्तार के लिए परमेश्वर समर्पित लोगों को स्थानीय प्रचारक के रूप खड़ा करें।

तमिलनाडु

डेन्कनीकोट्टई :

एस्तेर तंगम एवं

एस. जेबाराज (सेवानिवृत्त)

स्तुति : एंथनावनपल्ली के सुकन्या और सिंधु ने सार्वजनिक रूप से मसीह यीशु पर अपने विश्वास की घोषणा की। जब वन चपरासी मुनुस्वामी का सामना जंगल में एक हाथी से हुआ और वह उसका पीछा करने लगा, तो वह बचाप के लिए परमेश्वर को पुकारते हुए भाग और परमेश्वर ने उसे खतरे से बचा लिया। गुर्दे की खराबी के कारण डायलिसिस से गुजर रहे जॉर्ज ने नियमित रूप से प्रार्थना की और चिकित्सकीय रूप से अब वह स्वस्थ हो गया है और अब उन्हें डायलिसिस की आवश्यकता नहीं है। 90 वर्षीय विश्वासी रेबेका के अंतिम संस्कार में भागी सभी लोगों को जीवन देने वाला सुसमाचार सुनाया गया।

प्रार्थना : आरती और उसके दो बेटों की आजीविका के लिए प्रभु से प्रार्थना करें जिसके पति की मृत्यु हाल ही में हुई। मरकट्टा गाँव की कलीसिया में चर्च के निकट रविवारीय पाठशाला का संचालन के लिए एक कमरे का निर्माण किया जा सके। चर्च हॉल में गाँव के 25 बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने की योजना की सफलता के लिए प्रार्थना करें।

397

मिशनरी एल्बम

मिशनरी रेव्ह .लेटखोलुन बैटे (स्वर्गीय) श्रीमान थोंगमांग बैटे एवं (स्वर्गीय) श्रीमती नेमचिन बैटे के पुत्र हैं। इनका जन्म 01. 03.1981 को मणिपुर के उखरुल प्रंत के एल.चिंगफेई गाँव में हुआ था। सन् 2000 को 21 वर्ष की आयु में जब वे अपने कमरे में प्रार्थना करते समय उन्हें उद्धार का आश्वासन मिला। जिसके बाद उन्होंने अपना जीवन एकमात्र परमेश्वर की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। आरम्भ में उन्होंने एक साल तक

एक प्रचारक के रूप में सेवा की। तब तक परमेश्वर ने उन्हें राजनीति विज्ञान में बी.ए. ऑनर्स में स्नातक की पढ़ाई पूरी करने में मदद की। कुछ दिनों के उपवास और प्रार्थना के बाद परमेश्वर ने उनके लिए बी.डी. करने का द्वार खोल दिया। 2003–2009 तक टुलॉक थियोलॉजिकल सेमिनरी में धर्मशास्त्र का अध्ययन किया। थियोलॉजी में स्नातक की डिग्री हासिल करने के तुरन्त बाद जून सन् 2009 में उन्हें एफ.एम.पी.बी. से कॉल और 16 जून सन् 2009 को एफ.एम.पी.बी. की सेवकाई में शामिल हुए।

बहन हैटनेइकिम बैटे (बाएँ) श्री एल्डर जमसेई बैटे एवं श्रीमती नेंगलाम बैटे की सबसे बड़ी बेटी हैं। उनका जन्म 22 अप्रैल सन् 1987 को मणिपुर के कांगगुई प्रांत के टेराखोंग बाल शिविर में यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में स्वीकार की। परमेश्वर ने उसे बी.ए. अंग्रेजी ऑनर्स में स्नातक करने में मदद की। तत्पश्चात उन्होंने अपना जीवन परमेश्वर को समर्पित किया ताकि वे पूर्ण समय के लिए परमेश्वर की सेवा करें। उन्होंने 2011 में FMPB में शामिल हुई और उन्हें 2012 में प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय मिशन संस्थान झाँसी भेज दी गई। लेटखोलुन बैटे एवं हैटनेइकिम बैटे का पवित्र विवाह 11 मई सन् 2012 को बी. फाइचम प्रेसबिटेरियन चर्च में संपन्न हुआ था। वे अब झारखंड में संथाल लोगों के मध्य में एक परिवार के रूप में प्रभु की सेवा कर रहे हैं। मिशन क्षेत्र में आवश्यकता के अनुसार उन्हें मोरेह में मणिपुर प्रेसबिटेरियन धर्म सभा द्वारा उन दोनों का समर्पण किया गया था। अब तक ईश्वर ने उन्हें 2000 से अधिक आत्माओं को लाने, 15 से अधिक मंडलियों का गठन करने में मदद की है और झारखंड के दुमका क्षेत्र में संथाल लोगों के मध्य में 8 पक्के चर्चों का निर्माण करने में परमेश्वर ने इस परिवार को सक्षम बनाया है।

परमेश्वर ने उन्हें दो बच्चों का आशीर्वाद दिया है। उनकी बेटी चिन्नीलिंग@जेनी बैटे का जन्म 06 जून सन् 2013 को हुआ था और वह 5वीं कक्षा में है। उनके बेटे मंगमिनथांग@जोसेफ बैटे का जन्म 04 मार्च सन् 2015 को हुआ था और वह दीमापुर के बेथेसदा हाईयर सेकेंडरी स्कूल में तीसरी कक्षा में अध्ययन कर रहा है। आईए हम इस मिशनरी परिवार को हमारी प्रार्थना में स्मरण करें।



**रेव्ह. लेटखोलुन बैटे
एवं श्रीमती हैटनेइकिम
बैटे परिवार**



मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल

राष्ट्रीय उपवास प्रार्थना – 2024

हम आपको मिशन क्षेत्रों, क्षेत्रीय
मोबिलाइजेशन केंद्रों और
मुख्यालय में आयोजित होने
वाली प्रार्थनाओं में शामिल होने
के लिए आमंत्रित करते हैं। आईए
हम परमेश्वर के संतान के रूप में
अंतर में खड़े हों और राष्ट्र के
आशीर्वाद और कलीसियाओं के
पुनरुद्धार के लिए प्रभु की
उपस्थिति में मध्यस्थता करें।

अगस्त
9 वीं –
11 वीं

नोट

कृपया अपने क्षेत्र में प्रार्थना के
विवरण के बारे में जानने के लिए
मोबिलाइजेशन सचिवों या अगुवों से
संपर्क करें।

– प्रार्थना विभाग

Published by: S. John Berlin on behalf of Friends Missionary Prayer Band from 29, High School Road,
Ambattur, Chennai 600 053. Tel. 044-2657 0404 E-mail: info@fmpb.org **Printed by:** Rasi Graphics (P) Ltd.
No. 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600014. **Editor:** S. John Berlin

मित्र समाचार | 52 | अगस्त 2024